राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 29 जून 2025 वर्ष-8,अंक-130 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी सरकार ने 421 बिल पास किए

कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया

नई दिल्ली। हाल ही में मोदी सरकार ने केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए है। इस दौरान सबसे बड़ी पंचायत संसद भी तमाम बदलावों को होकर गुजरी। मोदी सरकार का आगामी रोडमैप क्या है, इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बातचीत की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार में कई महत्वपूर्ण संसदीय निर्णय हुए हैं। उदाहरण के लिए रेल और आम बजट को मिलाने और आम बजट को हर साल 1 फरवरी को पेश करने का ऐतिहासिक फैसला हुआ। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में समाज के सभी वर्गों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 और उसके तहत राष्ट्रपति के आदेशों के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया। वहीं पीएम मोदी के भविष्यवादी दृष्टिकोण के चलते देश को सितंबर 2023 में नई संसद मिली, जब संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर एक विशेष सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति निर्माण में जन प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया। मोदी सरकार ने अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में अब तक 421 बिल पास किए। वहीं अब तक कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय संसद के लचीलेपन की परीक्षा हुई। तब अनुच्छेद 85 की संवैधानिक अपेक्षाओं को और अत्यावश्यक विधायी कामों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर तीन सत्रों का आयोजन हुआ। उस मुश्किल दौर में दूरी से जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सत्र का आयोजन अलग-अलग में समय में सभी सुरक्षा मानदंडों के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्रालय युवा पीढ़ी में लोकतांत्रिक संस्कार विकसित करने के उद्देश्य से दिल्ली के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, यूनिवर्सिटी कॉलेजों के छात्रों के लिए पारंपरिक रूप से युवा संसद प्रतियोगिताएं आयोजित करता है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता भी देता है। मोदी सरकार ने 2019 में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत डिजिटल प्लैटफॉर्म की शुरुआत की गई।

बाढ़ की एनटीपीसी के सुपर थर्मल पावर प्लांट की एक और यूनिट शुरु

660 मेगावाट की इस यूनिट से बिहार को मिलेगी 370 मेगावाट बिजली

पटना। पटना जिले के बाढ़ स्थित एनटीपीसी के सुपर थर्मल पावर प्लांट की एक और यूनिट चालू हो गई है। बाढ़ बिजली घर की स्टेज एक की तीसरी और अंतिम यूनिट के सफल संचालन के बाद अब बिहार को बिजली मिलने का रास्ता साफ हो गया है। 660 मेगावाट की इस यूनिट से बिहार को 370 मेगावाट बिजली मिलेगी। कंपनी के मुताबिक तीसरी यूनिट का सफल ट्रायल 5 जून को किया गया था। अब इस यूनिट से 1 जुलाई से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होगा। बाढ़ बिजली घर में 660 मेगावाट की 4 यूनिट से पहले से ही बिहार को बिजली मिल रही है। अब पांचवीं यूनिट से भी बिजली मिलने लगेगी। साथ ही बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट की कुल उत्पादन क्षमता 3300 मेगावाट बिजली उत्पादित होने लग जाएगी। स्टेज एक की तीनों यूनिट से बिहार को 56.08 फीसदी हिस्सेदारी के तहत 1110 मेगावाट बिजली आवंटित है। स्टेज-2 की 2 यूनिटों से 86.04 फीसदी हिस्सेदारी के अंतर्गत 1136 मेगावाट विद्युत आवंटित है। इस प्रकार बाढ़ परियोजना की कुल 3300 मेगावाट स्थापित क्षमता में से बिहार को 2246 मेगावाट बिजली की आपूर्ति तय हो सकेगी। इससे बिजली की ज्यादा डिमांड वाली अवधि में पावर की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा।

स्पेस स्टेशन में शुभांशु से पीएम मोदी ने की बातचीत, सफलता पर दी बधाई

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल के जरिए बातचीत की और उन्हें अंतरिक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि आज आप भारतभूमि से दूर हैं, लेकिन भारतवासियों के सबसे करीब हैं।

आपके नाम में भी शुभ है और आपके कार्य से देश के लिए शुभ संकेत हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से हालचाल जाना और कहा, कि आप वहां कुशल मंगल हैं न? यहां 140 करोड़ भारतवासी आपके साथ हैं। मेरी आवाज में पूरे देश की भावनाएं और उत्साह शामिल हैं। इसके जवाब में शुभांशु शुक्ला ने कहा, यह यात्रा बहुत खास है। पृथ्वी से 400 किमी दूर कक्षा (ऑर्बिट) तक पहुंचना गर्व का क्षण है।

मुझे खुशी है कि मैं अंतरिक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। यह सब देशवासियों के आशीर्वाद और प्यार से संभव हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान हल्के-फुल्के अंदाज़ में पूछा कि आप जो गाजर का हलवा साथ ले गए थे, क्या वह अपने साथियों को खिलाया? इस पर शुभांशु ने मुस्कराते हुए हामी भरी और बताया, कि हलवा मिशन के तनाव भरे पलों में एक सुखद याद की तरह है।

यह पहली बार है जब कोई भारतीय वायुसेना अधिकारी कमर्शियल मिशन के तहत अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचा है।

शुभांशु 14 दिन तक अंतरिक्ष में रहेंगे और इन दिनों अनुसंधान कार्यों में हिस्सा ले रहे हैं।

समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता....बाबा साहब के संविधान नहीं : धनखड़

आपातकाल के दौरान इन शब्दों को जोड़ा गया

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई परिवर्तन नहीं हो सकता, क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह सारा दस्तावेज विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी अन्य संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदला गया था। उन्होंने कहा कि इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़े थे।

धनखड़ ने कहा कि बी आर अंबेडकर ने संविधान पर बहुत मेहनत की और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी भी देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उनकी टिप्पणी आरएसएस द्वारा संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने के आह्वान के बाद आई है। संघ ने कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान शामिल किया था और ये अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा कभी नहीं थे।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संघ महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा इस बात पर राष्ट्रीय बहस के आह्वान की आलोचना की है कि क्या धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों को प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं। आपातकाल के दिनों (1975-77) के दौरान

संविधान की प्रस्तावना में शामिल किए गए दो शब्दों की समीक्षा के लिए होसबोले की जोरदार वकालत ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया।

चुनावी साल में नीतीश ने 21,391 नव नियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

पटना।

बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बापू सभागार में आयोजित समारोह में 21,391 नव नियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसमें बड़ी संख्या में महिला सिपाही भी शामिल हैं। यह नियुक्ति राज्य में पुलिस बल की कमी को दूर करने और कानून-व्यवस्था को बेतहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीएम नीतिश ने कहा कि युवाओं को सरकारी रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और पुलिस बल में निरंतर भर्ती के माध्यम से अपराध नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पुलिस उपस्थिति बढ़ाने पर हमारी सरकार के द्वारा काम किया जा रहा है। इसके पहले, मुख्यमंत्री नीतीश ने पोस्ट में लिखा था कि 24 नंबवर 2005 को जब नई सरकार बनी थी, तब बिहार पुलिस में सिर्फ 42,481 कर्मी कार्यरत थे। 2006 से पुलिस बल की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया तेज की गई। अब तक 2.29 लाख से अधिक पदों का सृजन किया जा चुका है और जल्द ही सभी स्वीकृत पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी होगी। उन्होंने कहा कि इससे राज्य की कानून व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन को व्यापक मजबूती मिलेगी। बिहार सरकार की महिला सशक्तिकरण नीति के तहत पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इस नियुक्ति प्रक्रिया में सैकड़ों महिला सिपाही शामिल की गई हैं, जो विभिन्न जिलों में कानून व्यवस्था बनाए रखने में योगदान देंगी।

जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़, भगवान बलभद्र का रथ रास्ते अटका

700 से अधिक श्रद्धालु हुए घायल

पुरी।

पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़ के कारण 600 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए, और भगवान बलभद्र का रथ रास्ते में एक मोड़ पर अटक गया, जिससे उत्सव में काफी देरी हुई।

इस दौरान 700 से अधिक श्रद्धालुओं को चोटें आईं या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हुईं, जिसके बाद उन्हें पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। भगवान बलभद्र के तलध्वज रथ को खींचने में विशेष रूप से कठिनाई हुई, क्योंकि यह रथ यात्रा मार्ग पर एक मोड़ पर अटक गया। इससे जुलूस की गति धीमी हो गई और मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जमा हो गए। कई लोग प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गए, जिससे

रथों की आवाजाही और बाधित हुई। ओडिशा सरकार के मंत्री मुकेश महालिंग ने बताया कि श्रद्धालुओं के बेहोश होने की घटनाएं तेज गर्मी और उमस के कारण हुई है।

उन्होंने बताया कि बचाव दल ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मंदिर के पास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं और पानी व ग्लूकोज की व्यवस्था की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे शहर में करीब 10,000 सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था, जिसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की आठ कंपनियां भी शामिल थीं। ओडिशा के डीजीपी वाई.बी खुरानिया ने बताया कि रथ यात्रा की निगरानी के लिए 275 से अधिक एआई-इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जा रहा है।

रॉ के नए चीफ बने पराग जैन, ऑपरेशन सिंदूर में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली।

भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ को नया बॉस मिल गया। रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) के नए चीफ पराग जैन बन गए हैं। पराग जैन पंजाब कैडर के 1889 बैच के आईपीएस अफसर हैं। बतौर रॉ चीफ उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वह रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है। पराग जैन फिलहाल एविएशन रिसर्च सेंटर का नेतृत्व कर रहे हैं। इस रिसर्च सेंटर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रॉ की स्थापना 21 सितंबर 1968 को हुई थी। इस संस्था के पहले चीफ आरएन काव थे। रॉ सबसे प्रमुख काम विदेशों में भारत के खिलाफ साजिश का पता लगाना होता है। इसके अलावा यह सीक्रेट मिशन को भी अंजाम देते है। रॉ के प्रभारी प्रधानमंत्री की तरह ही होते हैं। रॉ चीफ अपनी डेली रिपोर्ट नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर को देते हैं।

तीन महिलाओं समेत छह उग्रवादियों को मणिपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंफाल।

मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी की तीन महिलाओं समेत छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिले के थांगमेइबंद थिंगल लेइकाई इलाके से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्लूजी) की दो महिला उग्रवादी समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी ने बताया कि ये सभी जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल केसीपी-पीडब्लूजी के एक सक्रिय सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के चिंगारेल तेजपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। वहीं केसीपी-पीडब्लूजी के दो सक्रिय सदस्यों को गुरुवार को इंफाल पूर्व जिले के वांगखेई निंगथेम पुखरी मापल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था।

मोबाइल एप के द्वारा वोट डालने की सुविधा, बिहार देश का पहला राज्य

अब तक 10,000 मतदाता ई-वोटिंग के लिए पंजीकरण करा चुके

पटना।

बिहार देश का पहला राज्य बन गया है, जहां मतदाता अब मोबाइल एप के द्वारा घर बैठे वोट डाल सकते है। इस अनूठी पहल की शुरुआत राज्य निर्वाचन आयोग ने की है, इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में एक नया युग माना जा रहा है। बिहार राज्य चुनाव आयुक्त दीपक प्रसाद ने बताया कि आगामी पटना, रोहतास और पूर्वी चंपारण के छह नगर निगम क्षेत्रों में होने वाले नगर निकाय चुनावों में ई-वोटिंग की सुविधा मिलेगी। यह सेवा विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों और अन्य असमर्थ मतदाताओं के लिए रहेगी कैसे करेगा काम ई-वोटिंग एप इसके लिए मतदाता ई-एसईसीबीएचआर एप डाउनलोड कर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से लिंक करना होगा। सत्यापन के बाद वे मतदान के दिन एप के जरिए वोट डाल सकते है। यह ऐप वर्तमान में केवल एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के माध्यम से वोटों को सुरक्षित और अपारदर्शी सिस्टम में दर्ज किया जाएगा। फेस ऑथेंटिफिकेशन, ओसीआर स्कैनिंग और डिजिटल लॉगिंग से मतदाता की पहचान सुनिश्चित होगी। इतना ही नहीं ईवीएम और वीवीपेट जैसे ऑडिट ट्रेल फीचर भी एप में मौजूद हैं।

सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान की नापाक मंशा पर भारत ने फेर दिया पानी

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी इरादों को लेकर उसे सबक सिखाने के लिए भारत ने लगभग हर मोर्चे पर जोरदार ढंग से स्ट्राइक की है। इसी क्रम में पड़ोसी देश की सिंधु जल समझौते पर बनी हुई नापाक मंशा पर पूरी तरह से पानी फेरते हुए भारत ने वर्ष 1960 में हुए इस समझौते के तहत गठित किए गए मध्यस्थता न्यायालय को पूरी तरह से अवैध करार दिया है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान के जरिए दी। जिसमें बताया कि भारत ने न केवल उक्त गठित किए गए मध्यस्थता न्यायालय को अवैध बताया है। बल्कि उसके द्वारा जम्मू-कश्मीर के किशनगंगा और रातले पनबिजली परियोजनाओं की क्षमता को लेकर जारी किए गए एक तथाकथित पूरक आदेश को भी सिरे से खारिज कर दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा 27 जून को भारत के केंद्रशासित प्रदेश के संबंध में एक आदेश पारित किया गया था। जिसे हमने अस्वीकार करते हुए खारिज कर दिया है। भारत ने कभी भी इस तथाकथित न्यायालय के अस्तित्व को मान्यता प्रदान नहीं की है। जिसके चलते हमारा मानना है कि इस मध्यस्थता न्यायालय का गठन सिंधु जल समझौते का उल्लंघन है और इसके सामने की गई कोई भी कार्रवाई या न्यायालय द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय या आदेश वैध नहीं है। भारत का मानना है कि पाकिस्तान के इशारे पर रचा गया यह पूरा नाटक, आतंकवाद के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में अपनी जवाबदेही से बचने का हताशाभरा एक प्रयास मात्र है। जिसमें वह इस तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय के तंत्र का सहारा लेकर वैश्विक मंचों पर दशकों से चली आ रही अपनी धोखाधड़ी और हेराफेरी की पुरानी आदतों को ही साफ तौर पर दर्शाता हुआ नजर आ रहा है।

इस वक्त तक स्थगित रहेगा समझौता

मंत्रालय ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने वैश्विक कानून के तहत बतौर एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिंधु जल समझौते पर अमल को तब तक स्थगित कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बलिदान दिवस - डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी

(लेखक- दुर्गादास उइके)

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि था इसलिए उन्होंने सत्ता का त्याग करके देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। वह एक देश में दो विधान दो प्रधान और दो निशान के विरुद्ध थे, इसलिए डॉक्टर मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत का पहला राष्ट्रवादी आंदोलन खड़ा किया था। भारत के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से डॉक्टर मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की थी आज यदि हम जम्मू कश्मीर में बिना परमिट के जा सकते हैं और पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न अंग है तो इसके पीछे डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान है। राष्ट्रीय एकता अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी, चिंतक, विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

डॉ साहब ने कहा था - राष्ट्रीय एकता की धरातल पर ही सुनहरे भविष्य के नींव रखी जा सकती है।राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले भारतीय जन संघ के तत्कालीन अध्यक्ष एवं महान राष्ट्र नायक एवं राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा पूज्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर शत-शत नमन वंदन करते हैं आपको हम सभी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के रूप में देश को एक ऐसा दूरदर्शी नेता मिला जिसने भारत की समस्याओं के मूल कारणों वह स्थाई समाधानों पर जोर दिया और उनके लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर केंद्रित जनसंघ और आज की भारतीय जनता पार्टी डॉक्टर मुखर्जी की ही दूरदर्शिता परिणाम है।

डॉ मुखर्जी ने शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्र में सुधार के लिए भी बहुत अभिनव कार्य किए। वे शिक्षा की गुणवत्ता और शोध कार्यों के भी बहुत बड़े पक्षधर थे। कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने एवं देश के एकता और अखंडता के लिए उनका त्याग समर्पण और बलिदान हम देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मानवता के उपासक,प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद,जनसंघ संस्थापक व हमारे पथ प्रदर्शक परम श्रद्धेय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था हम उन्नति करेंगे हम एक होंगे हम एक ऐसे देश में रहेंगे जिसका भाग्य केवल हमारे बच्चों के हाथ में होगा जहां एक स्वतंत्र और हिंदुस्तान का झंडा हमेशा शांति,प्रगति और आजादी की प्रतिष्ठा की घोषणा करेगा।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने एक बार कहा था जो भी कार्य आरंभ करें उसे गंभीरता से पूर्ण करें और तब तक संतुष्ट न हो जब तक अपना सर्वश्रेष्ठ ना दे दे। जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है यह नारा जो सच हुआ आज कश्मीर शांत और अखंड भारत का हिस्सा है धारा 370 अब कड़वा अतीत बन गई है और 35 से पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। हमारे पथ प्रदर्शक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने कहा था वही राष्ट्र वास्तव में महान है जिसके पास सैनिक शक्ति और ताकत है, किंतु वह राष्ट्र स्वार्थ हेतु उनका दुरुपयोग नहीं करता है। मित्रों उस काल में जम्मू कश्मीर की समस्या को पहचानने तथा इसके समूल निस्तारण के लिए पुरजोर आवाज उठाने वाले पूज्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही थे।

1947 के बाद सत्ता में आई कांग्रेस के द्वारा देश पर थोपी जा रही अभारतीयता तथा आयातित पश्चिमी विचारधाराओं का तार्किक विरोध कर भारत,भारतीय तथा भारतीयता के शाश्वत विचारों के अनुरूप राजनीतिक विकास देश को देने वाले डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही हमारे अग्रदूत, हमारे पथ प्रदर्शक थे। आज की भारतीय जनता पार्टी का परिदृश्य,स्वरूप,आधारशिला, आधार स्तंभ,प्रकाश पुंज डॉ मुखर्जी ही है।

उन्होंने 1951 में भारतीय जन संघ की स्थापना की जो बाद में 1980 को भारतीय जनता पार्टी का आधार बना, उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया किंतु कांग्रेस की गलत नीतियों तुष्टीकरण से लेकर भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्य के विरुद्ध कार्य करने वाली राष्ट्रीय विरोधी कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया था एवं संसद में एक मजबूत विपक्ष के रूप में कार्य किया तथा सरकार की गलत नीतियों पर सवाल उठाने तथा संसद में जनता की आवाज बनकर भारत का प्रतिनिधित्व एक सांसद के रूप में किया।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक न्याय के लिए काम किया, बंगाल के विभाजन के बाद उन्होंने शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए काम किया और उनके अधिकारों के रक्षा के लिए आवाज उठाई।

डॉ मुखर्जी जी का जीवन वृत्त,

6 जुलाई 1901 को कोलकाता के अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का जन्म हुआ, उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे देश के प्रख्यात शिक्षाविद के रूप में प्रसिद्ध थे, डॉ मुखर्जी ने 1917 में मैट्रिक पास किया तथा 1921 में बीए की उपाधि प्राप्त की, 1923 में लॉ की उपाधि अर्जित की तथा वे विदेश चले गए और 1926 में इंग्लैंड से बैरिस्टर बन कर स्वदेश लौटे।

अपने यशस्वी पिता का अनुसरण करते हुए उन्होंने भी अल्पायु में ही विद्या अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित कर ली थी। 33 वर्ष की अल्पायु में ही वह कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने इस पद पर नियुक्ति पाने वाले वह सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। एक विचारक, चिंतक, शिक्षाविद,प्रख्यात वक्ता के रूप में उनकी ख्याति निरंतर देश में बढ़ती चली गई।

राजनैतिक जीवन,

आदमी भाइयों बहनों डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वेच्छा से राष्ट्रीय अलग जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया डॉ मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांत वादी थे उन्होंने बहुत से गैर कांग्रेसी हिंदुओं की मदद से कृषक प्रजापति से मिलकर प्रगतिशील गठबंधन का निर्माण किया इस सरकार में वह वित्त मंत्री बने।

इसी समय में सावरकर जी के राष्ट्रवाद के प्रति आकर्षित हुए और हिंदू महासभा में सम्मिलित हुए।

मुस्लिम लीग की राजनीति से बंगाल का वातावरण दूषित हो रहा था। वहां सांप्रदायिक विभाजन की नौबत आ रही थी। सांप्रदायिक लोगों को ब्रिटिश सरकार प्रोत्साहित कर रही थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में उन्होंने संकल्प लिया कि बंगाल के हिंदुओं की उपेक्षा ना हो, जनसंघ की स्थापना, उसे समय डॉक्टर मुखर्जी ने बंगाल और पंजाब के विभाजन की मांग उठाकर प्रस्तावित पाकिस्तान का विभाजन कराया और आधा बंगाल और आधा पंजाब खंडित भारत के लिए बचा लिया, गांधी जी और सरदार पटेल के अनुरोध पर वह भारत के पहले मंत्रिमंडल में शामिल हुए उन्हें उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। संविधान सभा और प्रांतीय संसद के सदस्य और केंद्रीय मंत्री के नाते उन्होंने शीघ्र ही अपना विशिष्ट स्थान बना लिया किंतु उनके राष्ट्रवादी चिंतन के चलते अन्य नेताओं से मध्य बराबर बने रहे, फ्लैट राष्ट्रीय हितों की प्रतिबद्धता को अपने सर्वोच्च प्राथमिकता मानने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया उन्होंने एक नई पार्टी बनाई जो उसे समय विरोधी पक्ष के रूप में सबसे बड़ा दल था अक्टूबर 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ।

अपनी विशिष्ट रणनीति से उन्होंने बंगाल के विभाजन में मुस्लिम लीग के प्रयासों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया था।1942 में ब्रिटिश सरकार ने विभिन्न राजनीतिक दलों के छोटे-बड़े सभी नेताओं को जेलों में डाल दिया था।

डॉक्टर मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे की सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक है इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे वे मानते थे की आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक है हमें कोई अंतर नहीं है हम एक ही रक्त के हैं एक ही भाषा एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है। किंतु उसे वक्त का जो कांग्रेसी नेतृत्व था उसकी वजह से 1946 में मुस्लिम लीग ने जंग की राह पकड़ ली और राष्ट्र का विभाजन हुआ। ब्रिटिश सरकार की भारत विभाजन की गुप्त योजना और षड्यंत्र को कांग्रेस के नेताओं ने अखंड भारत संबंधी अपने वादों को तात्पर रखकर स्वीकार कर लिया था और भारत का विभाजन हुआ। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विभाजन के प्रखर विरोधी थे। वे तुष्टिकरण के प्रखर विरोधी थे, दो निशान दो विधान दो प्रधान के विरोधी थे। वह राष्ट्र प्रथम का नारा देते हुए जम्मू कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है इसके प्रबल समर्थक थे,राष्ट्र की एकता अखंडता और सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे। नेहरू की सरकार से असंतुष्ट होकर उद्योग मंत्री से त्यागपत्र दिया और उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना की। 30 वर्षों के बाद 1980 में भारतीय जनता पार्टी का उदय हुआ अंत्योदय एवं राष्ट्र की एकता अखंडता को सुदृढ़ करने की दिशा में हम सब आगे बढ़े हैं। 2014 से अधिकतम 2025 का विकसित भारत का चित्र आपके सामने है।

(केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय मामले, भारत सरकार द्वारा लिखित आलेख)

संपादकीय

अविश्वास का बीमा

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच-नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं। निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पॉलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

(लेखक- ललित गर्ग)

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपेरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

(चिंतन- मनन)

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी।

सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

विचार मंथन

चुनाव आयोग के जरिए एनआरसी लागू?

(लेखक- सनत जैन)

- गरीबों का मताधिकार खतरे में

बिहार से शुरू हुई चुनाव आयोग की नई मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया ने देश की लोकतांत्रिक नींव को हिला दिया है। इस प्रक्रिया के तहत राज्य के बाहर से आने वाले नागरिकों को यह शपथ पत्र देना होगा। उनका जन्म 1 जुलाई 1987 से पहले भारत में हुआ था। साथ ही प्रमाणित करने वाले दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए न केवल पुराने और दुर्लभ दस्तावेज मतदाताओं को देना होगा। आम आदमी, खासकर गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों को मतदाता सूची से बाहर निकालने का यह एक सुनियोजित प्रयास का आरोप विपक्षी दल लगा रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे एनआरसी से भी खतरनाक बताते हुए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र पर एक घातक हमला बताया है। उनका आरोप है चुनाव आयोग की इस कार्यवाही से गरीबों और प्रवासी मजदूरों को मतदान अधिकार से वंचित करने की यह एक साजिश है। असदुद्दीन ओवैसी ने भी इसे गुप्त एनआरसी बताते हुए विरोध दर्ज कराया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इसे सीधा गरीबों और वंचित तबकों के मत के अधिकार को छीनने का कृत्य बताया है। चुनाव आयोग इस कार्यवाही के पीछे जो तर्क दे रही है। उसके अनुसार, मतदाता सूची की शुद्धता के लिये संविधान की मूल भावना को ही दरकिनार करने जैसा कदम माना जा रहा है। वोट डालना हर नागरिक का अधिकार है। मतदाता से ऐसे साक्ष्य की मांग करना, जो अधिकांश नागरिकों के पास नहीं है। गरीबों और मजदूरों के परिवारों की स्थिति इस तरीके की नहीं है। वह इस तरीके के दस्तावेज संभाल कर रख सकें। एक तरह से मत के अधिकार से इस प्रक्रिया से करोड़ों लोग वंचित हो सकते हैं। अगर यह कवायद सचमुच निष्पक्षता के नाम पर है तो ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार जाति जनगणना जैसे अहम सामाजिक उपायों से सरकार पीछे क्यों हट रही है। क्यों दस्तावेजों के नाम पर उन्हीं तबकों को निशाना बनाया जा रहा है। जो गरीब है, मजदूर हैं, लगातार जीवन यापन के लिए यहां से वहां भागते रहते हैं। जो बड़ी संख्या में मतदाता के रूप में दर्ज हैं। जिनके पास संसाधनों की सबसे ज्यादा कमी है। इस कार्यवाही से चुनाव आयोग की भूमिका और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके विरोध में सभी राजनीतिक विपक्षी दलों द्वारा एकजुट होकर विरोध करना शुरू कर दिया गया है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह पहला और आवश्यक कदम है। चुनाव आयोग के इस निर्णय का अभी विरोध नहीं किया गया तो ऐसी स्थिति में भविष्य में हर नागरिक के मौलिक अधिकारों पर सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न होगा। चुनाव आयोग की यह सिर्फ एक दस्तावेज़ी प्रक्रिया नहीं है। चुनाव आयोग द्वारा किया गया यह संविधान की आत्मा पर प्रहार है। जिस देश में करोड़ों लोग नदी के किनारे रहते हों, हर साल बाढ़ आती हो, रोजगार के लिए उन्हें अपना घर छोड़कर सैकड़ों और हजारों किलोमीटर दूर जाना पड़ता हो, जहां घर में जन्म हो जाते हैं, जिन्होंने कभी अस्पताल का मुंह नहीं देखा हो, जो कभी स्कूल नहीं गए हैं, उन्हें कागजों की समझ नहीं है। समझ है भी तो वह संभाल कर नहीं रख पाते हैं क्योंकि उनके पास उन कागजों की कोई अहमियत नहीं है। एकाएक चुनाव आयोग ने जिस तरह से बिना राजनीतिक दलों के साथ सलाह-मशविरा किए हुए बिहार की मतदाता सूची का शुद्धिकरण करने की बात कही है यह शायद ही किसी को स्वीकार हो। अभी काम शुरू भी नहीं हुआ है, और विरोध शुरू हो गया है। चुनाव आयोग जब चुनाव के नियमों में कोई परिवर्तन करता है, कोई नई व्यवस्था लागू करता है उसकी जिम्मेदारी होती है कि वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर निर्णय करे।

जिस तरह से चुनाव आयोग विपक्षी दलों के निशाने पर है, ऐसे समय में लाखों मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का जो प्रयास चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है उसकी तीव्र प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। चुनाव आयोग को समय रहते इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सात दिन में 2,900 रुपए तक गिरा सोना, चांदी भी 1582 हुई सस्ती

नई दिल्ली।

इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमती में कमजोरी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। 21 जून शनिवार को सोने की कीमत 98,691 प्रति 10 ग्राम थी, जो 28 जून को घटकर 95,784 प्रति 10 ग्राम पर आ गई यानी इस एक सप्ताह में सोने की कीमत में 2,907 की गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी की कीमत में भी` गिरावट आई है। 21 जून को यह 1,06,775 प्रति किलोग्राम थी, जो अब घटकर 1,05,193 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह चांदी 1,582 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई है। वहीं दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,570 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450, मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300, कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 और चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 रुपए है।

इस साल अदाणी समूह की ब्रांड वेल्यू 82 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 82 प्रतिशत बढ़ गई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अदाणी ब्रांड के मूल्य में वृद्धि 2023 में रिपोर्ट किए गए पूरे ब्रांड वैल्यूएशन से अधिक है, जिससे अदाणी समूह को पिछले वर्ष के 16वें स्थान से 13वें स्थान पर आने में मदद मिली है। कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, शानदार वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ अर्जित किया है। इस सप्ताह अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की 33वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025 में, हमारे आंकड़े मजबूत थे। हमारे सभी क्षेत्रों में हमने केवल विस्तार से कहीं अधिक किया। हमने प्रभाव पैदा किया, बदलाव को प्रेरित किया और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को गहरा किया।

पश्चिमोत्तर राज्यों में डायरेक्ट सेलिंग कारोबार 2172 करोड़ के पार

श्र

देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के राज्यों जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ ने डायरेक्ट सेलिंग में 15.71 प्रतिशत से अधिक की विकास दर दर्ज कर वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 2172 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। देश में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग की प्रमुख संस्था इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) ने हाल ही में यहां आयोजित नॉर्दर्न डायरेक्ट सेलिंग समिट में पेश किये गए एक सर्वेक्षण के माध्यम से यह जानकारी दी। आईडीएसए की नॉलेज भागीदार इपसोस द्वारा संकलित इस सर्वेक्षण में देश में डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र के विकास और इसके निरंतर हो रहे विस्तार पर भी प्रकाश डाला गया है। इस अवसर पर हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री राजेश नागर और राज्य के इसी विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश उपस्थित थे।

मीशो को आईपीओ लॉन्च करने की शेयरधारकों से मिली मंजूरी

बेंगलुरु।

ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को अपना शुरुआती आईपीओ लॉन्च करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। अब कंपनी बाजार नियामक सेबी के गोपनीय रूट के तहत अपना ड्राफ्ट आईपीओ प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी। बता दें कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 4250 करोड़ रुपये यानी करीब 500 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मीशो की बोर्ड बैठक में आईपीओ प्रस्ताव के अलावा कंपनी के फाउंडर विदित आत्रे को चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त करने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल होगी। बता दें निवेशक एलिवेशन कैपिटल, पीक एक्सवी पार्टनर्स और प्रोसस मीशो के सबसे बड़े संस्थागत शेयरधारकों में से हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 13 से 15 फीसदी हिस्सेदारी है। जापानी निवेशक सॉफ्टबैंक के पास कम कीमत पर मूल्य खुदरा बिक्री पर केंद्रित ई-रिटेलर में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के अन्य निवेशकों में वेस्टब्रिज कैपिटल, फिडेलिटी जैसे निवेशक शामिल हैं। मीशो की आखिरी फंडिंग राउंड 550 मिलियन डॉलर का था। इसके जरिए मूल्यांकन लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का था। इस राउंड में पीक एम्सवी पार्टनर्स और वेस्टब्रिज कैपिटल जैसे मौजूदा बैकर्स के अलावा टाइगर ग्लोबल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और मार्स ग्रोथ कैपिटल जैसे नए निवेशकों ने हिस्सा लिया। वहीं, मीशो ने 1.1 मिलियन ऑप्शन जोड़कर अपने 2024

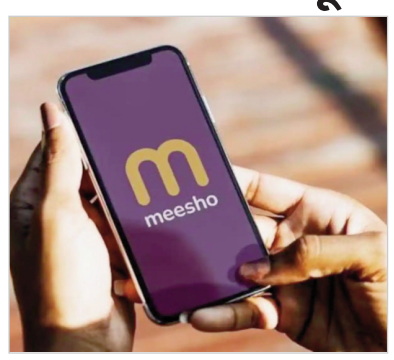

कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन प्लान (ईसॉप) का विस्तार किया है। मीशो की प्रतिद्वंद्वी कंपनी, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट है। इस कंपनी का आईपीओ भी लॉन्च होने वाला है। कंपनी अगले साल आईपीओ से पहले सिंगापुर से भारत में अपना निवास स्थान बदलने की प्रक्रिया में है।

देश का विदेशी ऋण बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि भारत का विदेशी ऋण मार्च 2025 के अंत तक 10 प्रतिशत बढ़कर 736.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 668.8 अरब डॉलर था। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में बाह्य ऋण एक साल पहले के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 के अंत तक 19.1 प्रतिशत हो गया। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन वित्त वर्ष में मुद्रा बाजारों में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया और रुपए तथा अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि के कारण मूल्यांकन प्रभाव 5.3 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यदि मूल्यांकन प्रभाव को छोड़ दिया जाए, तो बाह्य ऋण में 67.5 अरब डॉलर के बजाय 72.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होती। आरबीआई ने कहा कि कुल ऋण में गैर-वित्तीय निगमों ने 261.7 अरब डॉलर, सरकार ने 168.4 अरब डॉलर और केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमा स्वीकार करने वाले निगमों ने 202.1 अरब डॉलर का ऋण लिया। मार्च 2025 के अंत में, दीर्घकालिक ऋण 601.9 अरब डॉलर था और इसमें सालाना आधार पर 60.6 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

दिल्ली में 1 जुलाई से 15 साल पुराने पेट्रोल एवं 10 साल पुराने डीजल वाहन पर प्रतिबंध

चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा

नई दिल्ली।

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन पेट्रोल पंपों या सड़क पर दिखे तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे वाहनों को उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और वाहन मालिकों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया वाहनों पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा। यह कार्रवाई उन सभी वाहनों पर लागू होगी, भले ही वे देश के किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इससे पहले स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 1 जुलाई से दिल्ली में इन पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। यह कदम प्रदूषण पर नियंत्रण के प्रयासों के तहत उठाया जा रहा है। अब दिल्ली में वैधता खत्म हो चुके वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं भरवा सकेंगे। राजधानी के करीब 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं, जो इन वाहनों की पहचान करेंगे। जब कोई वाहन पेट्रोल पंप में प्रवेश करेगा, तो यह खास कैमरा उसकी नंबर प्लेट को स्कैन करेगा। इसके बाद यह नंबर तुरंत केंद्रीय 'वाहन' डेटाबेस से मिलाया जाएगा। इस प्रक्रिया से वाहन की उम्र, ईंधन प्रकार और रजिस्ट्रेशन जैसी जानकारी सामने आ जाएगी। यदि पता चलता है कि वाहन ईओएल श्रेणी में है, तो सिस्टम उसे तुरंत फ्लैग कर देगा।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी बढ़ोतरी रही

सेंसेक्स 303 अंक उछलकर 84,058.90 अंक पर बंद

निफ्टी 8.80 अंक बढ़कर 25,637.80 अंक पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। बीते कारोबारी सप्ताह के दौरान शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर और भारत और अमे रिका के बीच जल्द ट्रेड होने की संभावना से बाजार में` निवेशकों के सेंटीमेंट को मजबूती प्रदान की। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के पांच कारोबारी` दिनों में कारोबार इस प्रकार रहा- अमेरिका की ओर से ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के बीच सोमवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 931.41 अंक गिरकर 81,476.76 पर खुला और दिन के कारोबार में 900 अंक से अधिक की गिरावट के बाद कुछ हद तक उबरकर 511.38 अंक की गिरावट के साथ 81,896.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.50 अंक गिरकर 24,971.90 अंक पर खुला और 287.55 अंक गिरकर 24,824.85 पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इजरायल-ईरान युद्ध विराम की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को जोरदार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 600 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,534.61 पर खुला और 158.32 अंक उछलकर 82,055.11 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी-50 भी मजबूत शुरुआत के साथ 25,179.90 पर खुला और 72.45 अंक बढ़कर 25,044.35 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 426.79 अंक बढ़कर 82,481.90 पर खुला और 700.40 अंक उछलकर 82,755.51 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 123.25 अंक चढ़कर

25,167.60 पर खुला और 200.40 अंक बढ़कर 25,244.75 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की गुरुवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 163.27 अंक चढ़कर 82,918.78 पर खुला और 30 1,000.36 अंक चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 64.35 अंक चढ़कर 25,309.10 पर खुला और 304.25 अंक बढ़कर 25,549.0 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 229.22 अंक चढ़कर 83,985.09 पर खुला और सेंसेक्स 303.03 अंक उछलकर 84,058.90 अंक पर बंद हुआ।

सुकन्या स हित छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर में होगा बदलाव

नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक भविष्य निधि योजना, राष्ट्रीय बचत पत्र जैसी अन्य छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा 30 जून सोमवार को होने वाली है।

नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी। इस साल अब तक सुकन्या समृद्धि योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित डाकघर योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि पहली जुलाई 2025 से इसमें बदलाव हो सकता है। इस संभावना की वजह है भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती बताई जा रही है। आरबीआई ने सबसे पहले फरवरी में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। फिर अप्रैल में 25 आधार अंक की कटौती की गई और जून में 50 आधार अंक की कटौती हुई। अब तक रेपो दर में एक फीसदी की कटौती हो चुकी है। रेपो रेट में कटौती के जवाब में बैंकों ने सावधि जमा पर ब्याज दर में कमी कर दी है। कुछ बैंकों ने अपनी विशेष एफडी भी बंद कर दी हैं, जो एक निश्चित अवधि के लिए सामान्य बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज दर प्रदान करती थीं। वर्तमान में पीपीएफ योजना में निवेशकों को 7.10 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है। अनुमान जताया जा रहा है कि कई दशकों में पहली बार पीपीएफ की ब्याज दर सात फीसदी से भी नीचे जा सकती है। अप्रैल-जून 2025 तिमाही की शुरुआत से 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर औसत रिटर्न 6.30त्न रहा है। छोटी बचत योजनाओं के लिए गोपीनाथ कमेटी के फार्मूले में पीपीएफ की ब्याज दर पिछली तिमाही में औसत 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर रिटर्न से 25 आधार अंक अधिक रखा गया है। अगर इस फॉर्मूले को अपनाया गया तो जुलाई-सितंबर तिमाही में पीपीएफ की ब्याज दर 6.55 फीसदी हो सकती है। इसका मतलब कि पीपीएफ की ब्याज दर पांच दशक में पहली बार सात फीसदी के नीचे जा सकती है।

सीएनजी और पीएनजी की घट सकती है कीमतें

2-3 दिन में लिया जा सकता है फैसला

नई दिल्ली।

देशभर के सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को अगले दो-तीन ` दिन में राहत भरा समाचार` मिल सकता है। बताया गया है कि अब गैस की कीमतें आपकी लोकेशन या गैस सोर्स से दूरी पर निर्भर नहीं करेंगी। पेट्रोलियम और नैचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएजीआरबी) ने नए यूनिफाइड टैरिफ फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी है, जिससे अब देश के अधिकतर हिस्सों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतें घट सकती हैं। यूनिफाइड टैरिफ सिस्टम यानी अब तक देश को तीन टैरिफ जोन में बांटकर उपभोक्ताओं से अलग-अलग दरों पर शुल्क लिया जाता था। जो उपभोक्ता गैस ट्रांसपोर्ट नेटवर्क से ज्यादा दूर रहते थे, उन्हें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते थे। लेकिन अब इस ढांचे को तीन से घटाकर दो जोन में बदलने की तैयारी है, जिससे दूर-दराज के इलाकों में रहने वालों को ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था में एक ही जोन के सभी उपभोक्ताओं को एक समान टैरिफ देना होगा, चाहे वो गैस स्टेशन के पास हों या दूर। इससे सीएनजी व पीएनजी की दरों में एकरूपता आएगी और ट्रांसपोर्ट दूरी पर आधारित महंगे शुल्क से मुक्ति मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले 2-3 दिनों में इस प्रस्ताव को लेकर आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

कनाडा के डिजिटल टैक्स पर नाराज हुए ट्रंप, टैरिफ लगाने की दी चेतावनी

ट्रंप ने व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा की

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कनाडा के साथ सभी व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम कनाडा द्वारा टेक्नोलॉजी कंपनियों पर लगाए गए डिजिटल सर्विस टैक्स के जवाब में उठाया गया है। ट्रंप ने इसे अमेरिका पर सीधा और खुला हमला बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा` कि इस अनुचित टैक्स के चलते, हम कनाडा के साथ चल रही सभी व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगले सात दिनों के भीतर अमेरिका कनाडा को उन टैरिफ की जानकारी देगा, जो उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए चुकाने होंगे। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स लगाने के कनाडा के फैसले के बाद अब दोनों देशों के बीच व्यापार पर कोई बातचीत नहीं होगी। ट्रंप ने यह बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट के जरिए दिया। उन्होंने कहा ` कि हमें अभी जानकारी मिली है कि कनाडा, जो व्यापार के लिहाज से बेहद कठिन देश है, ने हमारी टेक कंपनियों पर डिजिटल टैक्स लगाने

का फैसला किया है। यह सीधा और खुला हमला है। ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि कनाडा ने वर्षों से अमेरिकी किसानों के डेयरी उत्पादों पर 400 फीसदी तक शुल्क लगाया है।

नए अपडेटेड मॉडल्स पर काम कर रही टीवीएस मोटर

नई दिल्ली।

हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीवीएस मोटर कंपनी ने एक टीज़र वीडियो जारी किया है, जिससे यह साफ संकेत मिल रहा है कि पॉपुलर बाइक्स अपाचे आरटीआर 160 2 वी और अपाचे आरटीआर 180 2 वी के नए अपडेटेड मॉडल्स पर काम कर रही है। इन दोनों बाइक्स को जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया जा सकता है। हालांकि कंपनी ने इन बाइक्स से जुड़ी ज्यादा जानकारियां साझा नहीं की हैं, लेकिन ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपडेटेड बाइक्स में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नई अपाचे आरटीआर 160 और आरटीआर 180 को ओबीडी-2बी (ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक) नॉर्म्स के अनुसार अपग्रेड किया जाएगा, जिससे ये बाइक्स पर्यावरण के अनुकूल बनेंगी। इसके अलावा, इन बाइक्स में विजुअल अपग्रेड्स और कुछ नए फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं, जैसे नई पेंट स्कीम, ग्राफिक्स और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर। मौजूदा अपाचे आरटीआर160 में 159.7सीसी का सिंगल-सिलिंडर, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 15.82बीएचपी की पावर और 13.85 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं अपाचे आरटीआर 180 में 177.4सीसी का एयर/ऑयल-कूल्ड इंजन है, जो 16.78बीएचपी की पावर और 15.5 एनएम का टॉर्क देता है। दोनों बाइक्स में 5-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है। अपाचे आरटीआर सीरीज की बाइक्स भारतीय युवाओं में खासा लोकप्रिय हैं और खासतौर पर स्टंटिंग कम्युनिटी में इनकी डिमांड बनी हुई है। छोटे व्हीलबेस और दमदार टॉर्क की वजह से ये बाइक स्टंट और शहरी राइडिंग दोनों के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं।

मॉनसून सर्विस कैंप शुरू करने की घोषणा की हयूदै ने

नई दिल्ली।

मानसून सीज़न में भारतीय ग्राहकों को राहत देने के लिए हयूदै मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने एक विशेष मॉनसून सर्विस कैंप शुरू करने की घोषणा की है। इसका मकसद बारिश के मौसम में वाहनों की सुरक्षा और बेहतर परफॉर्मेंस सुनिश्चित करना है। यह कैंप 25 जून से 20 जुलाई 2025 तक देशभर के सभी अधिकृत हयूदै वर्कशॉप्स पर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान ग्राहकों को 70 पॉइंट्स का मुफ्त वाहन हेल्थ चेकअप दिया जाएगा, जिसमें ब्रेक, टायर्स, लाइटिंग, बैटरी, वाइपर, अंडरबॉडी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम जैसी अहम चीज़ों की जांच की जाएगी। इस सेवा कैंप में हयूदै ग्राहक कई आकर्षक छूटों का लाभ भी उठा सकते हैं। एक्सटेंडेड वारंटी पैकेज पर 35 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जबकि पीरियॉडिक मेंटेनेंस सर्विस के मैकेनिकल लेबर चार्ज, इंटीरियर और एक्सटीरियर ब्यूटीफिकेशन तथा अंडरबॉडी एंटी-रस्ट कोटिंग पर 15प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा ब्रेक पैड, क्लच और सस्पेंशन जैसे वियर-एंड-टियर पार्ट्स तथा हेडलैम्प, टेललैम्प, बल्ब और वाइपर ब्लेड की खरीद पर 10प्रतिशत की छूट उपलब्ध है। लेबर से जुड़ी सेवाओं जैसे सनरूफ लुब्रिकेशन और काउल पैनल क्लीनिंग पर भी 10प्रतिशत की छूट दी जा रही है। एचएमआईएल के सीओओ तरुण गर्ग ने कहा कि हयूदै का लक्ष्य ग्राहकों को सुरक्षित और परेशानी मुक्त मानसून ड्राइविंग अनुभव देना है। उन्होंने सभी हयूदै मालिकों से इस सेवा कैंप का लाभ उठाने की अपील की।

ईवी इंफा ने एनपीसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का करेगी विस्तार

नई दिल्ली।

इंचार्ज ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली सर्वोटेक ईवी इंफ्रा ने ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीएलएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एनपीसीएल में पीएमएस और सस्टेनेबिलिटी के एक प्रमख अे धिकारी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एनपीसीएल आरपी-संजीव गोयनका समूह और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच एक ज्वाइंट वेंचर है। समझौते के तहत दोनों संगठन आवासीय परिसरों, कार्यालय भवनों, कॉमर्शियल सेक्टर और अस्पतालों सहित स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की पहचान, विकास के लिए ज्वाइंट वेंचर से काम करेंगे।

एनपीसीएल संभावित स्थलों का सुझाव देकर और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय स्थापित करके इस प्रयास का समर्थन करेगा। पहले चरण में ग्रेटर नोएडा की दो रिहायशी सोसायटियों में ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जा चुके हैं। स्टेलर जीवन में इंचार्ज ने 7.4 किलोवाट और 10 किलोवाट के एसी चार्जर लगाए हैं। ऐस डिविनो में, साइट में 40 किलोवाट का डीसी चार्जर और 10 किलोवाट का एसी चार्जर है, जिसमें एक साथ तीन दोपहिया वाहनों को चार्ज करने की क्षमता है।

इंचार्ज के सीईओ ने कहा` एनपीसीएल के साथ यह साझेदारी पूरे देश में एक स्मार्ट और स्केलेबल ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने की दिशा में हमारी यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर है। यह भारत को सौर ऊर्जा से जोड़ने और इसके शहरों को स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के सर्वोटेक के बड़े मिशन से ` मिलता जुलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यशस्वी जायसवाल के बचाव में उतरे श्रीधर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने पहले क्रिकेट टेस्ट में कैच छोड़ने के लिए निशाने पर आये यशस्वी जायसवाल का बचाव करते हुए कहा है कि वह इस कमी को सुधार लेंगे। श्रीधर के अनुसार इंग्लैंड के हालातों में खेलना किसी युवा खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता। श्रीधर ने कहा, इंग्लैंड के पहले दौरे पर जाना और वहां के माहौल के अनुसार ढलना और उसमें भी एक अच्छा स्लिप फील्डर बनना काफी कठिन है। आप जितना चाहें अभ्यास कर लें मैच में यह काफी कठिन होता है। वहां के ठंडे हालातों में उंगलियां सुन्न सी हो जाती हैं! ड्यूक की गेंद आपकी ओर आते समय बहुत हिलती है। इसलिए इसे पकड़ना आसान नहीं होता। वह आगे बोले, इंग्लैंड में, गेंद को देखना बहुत कठिन होता है। ओवल या लीड्स दो सबसे चुनौतीपूर्ण मैदान हैं। लीड्स में एक ढलान है जो पवेलियन की तरफ से किर्कस्टॉल लेन के छोर तक जाती है। और वहां बहुत हवा चलती है, और यह आपकी लय और गहराई को बिगाड़ देती है। यहीं कारा है कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने भी कैच छोड़े। यह हमेशा क्षमता के बारे में नहीं होता हालातों के अनुसार होता है। श्रीधर ने कहा कि यशस्वी के लिए अभी तक दो ही मैच खराब रहे हैं। लीड्स से पहले उन्होंने मेलबर्न में भी इसी प्रकार कैच छोड़े थे। उन्होंने कहा, वह वास्तव में एक बेहतरीन गली फील्डर है।

आईसीसी ने टी-20 मैचों के पावरप्ले नियम में भी किया बड़ा बदलाव

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों के टी-20 क्रिकेट में अहम बदलाव की घोषणा की है। अब बारिश या किसी अन्य वजह से ओवर घटने पर पावरप्ले के ओवर भी उसी अनुपात में घट जाएंगे। अभी तक 20 ओवर की पारी में शुरुआती छह ओवर पावरप्ले के होते हैं, लेकिन नए नियम के तहत मैच के ओवर कम होने पर पावरप्ले भी उसके मुताबिक तय होगा। उदाहरण के लिए, पांच ओवर के मैच में 1.3 ओवर पावरप्ले होगा, छह ओवर के लिए 1.5 ओवर, सात ओवर के लिए 2.1 ओवर, आठ ओवर के लिए 2.2 ओवर, नौ ओवर के लिए 2.4 ओवर और दस ओवर के मैच के लिए तीन ओवर का पावरप्ले होगा। इसी तरह 11 ओवर के मैच में 3.2 ओवर, 12 ओवर में 3.4 ओवर, 13 ओवर में 3.5 ओवर, 14 ओवर में 4.1 ओवर, 15 ओवर में 4.3 ओवर, 16 ओवर में 4.5 ओवर, 17 ओवर में 5.1 ओवर, 18 ओवर में 5.2 ओवर और 19 ओवर के मैच में 5.4 ओवर पावरप्ले होगा। अंपायर ओवर के बीच में पावरप्ले समाप्त होने के समय पर संकेत देंगे।

यह नियम 2 जुलाई से वैश्विक स्तर पर लागू हो जाएगा। अब इसमें दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड के टी-20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में यह नियम पहले से ही इस्तेमाल हो रहा है, जहां पावरप्ले के ओवर ओवर-गणना के हिसाब से तय होते हैं और खिलाड़ियों या अधिकारियों को कोई परेशानी नहीं होती।

आईसीसी ने कहा कि इसका उद्देश्य बारिश से प्रभावित मैचों को अधिक निष्पक्ष और संतुलित बनाना है, ताकि दोनों टीमों को बराबरी का मौका मिल सके और रणनीति भी पारदर्शी रहे। टी-20 में पावरप्ले के दौरान केवल दो फील्डर 30 गज के घेरे के बाहर रह सकते हैं और नए नियम से इस सख्ती को और स्पष्ट करने की बात कही गई है। इसके अलावा आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में ओवर-रेट को कंट्रोल

करने के लिए स्टॉप क्लॉक का इस्तेमाल अनिवार्य किया है। इस नियम के तहत गेंदबाज को अगली गेंद फेंकने के लिए सीमित समय मिलेगा। नो-बॉल पर कैच की वैधता की समीक्षा भी अब की जाएगी। साथ ही घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खिलाड़ियों के स्थानांतरण को भी मंजूरी देने के नियमों में बदलाव किए गए हैं। इनमें से कुछ नियम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के नए चक्र में पहले ही लागू किए जा चुके हैं।

मेजर लीग क्रिकेट 2025 में सिएटल ऑर्कास ने रचा इतिहास

एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ 238 रन का रिकॉर्ड चेज

नई दिल्ली।

अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 का 18वां मुकाबला शुक्रवार रात सिएटल ऑर्कास और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया और यह मैच रोमांच की हर हद पार कर गया।

निकोलस पूरन की कप्तानी वाली एमआई न्यूयॉर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 237 रन ठोक दिए। इस विशाल स्कोर की नींव खुद कप्तान निकोलस पूरन ने रखी। उन्होंने 60 गेंदों में 7 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 108 रन बनाए। उनके साथ तजिंदर ढिल्लों ने भी धमाकेदार बल्लेबाजी की और सिर्फ 35 गेंदों में 8 चौके और 8 छक्के लगाकर 95 रन बनाए। इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिएटल ऑर्कास ने टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज करते हुए आखिरी गेंद पर 238 रन बना दिए।

यह मेजर लीग क्रिकेट के अब तक के तीन सीजन में सबसे बड़ा रन चेज है। ऑर्कास की इस ऐतिहासिक जीत के हीरो शिमरन हेटमायर रहे। उन्होंने 40 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की विस्फोटक पारी खेली जिसमें 5 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 242.50 रहा। मैच का रोमांच चरम पर तब पहुंचा जब आखिरी गेंद पर सिएटल ऑर्कास को जीत के लिए 6 रन चाहिए थे। कीरोन पोलार्ड आखिरी ओवर फेंक रहे थे और स्ट्राइक पर थे हेटमायर। वेस्टइंडीज के इन दो दिग्गजों की इस भिड़ंत में हेटमायर ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मैच खत्म कर दिया और अपनी टीम को सीजन की पहली जीत दिलाई। सिएटल ऑर्कास की यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि इससे पहले टीम लगातार 10 मैच हार चुकी थी और इस सीजन में यह उनकी 6 मैचों में पहली जीत है। हेटमायर को उनकी नाबाद मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

गंभीर को टीम को तैयार करने समय देना चाहिएः पनेसर

लंदन।

टेस्ट मैच में टीम इंडिया की हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज मोंटी पनेसर ने कहा गौतम गंभीर को टीम तैयार करने के लिए समय देना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना खेली जा रही है क्योंकि दोनों ने दौरे से पहले इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था और टीम की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में हैं। पनेसर ने मुख्य कोच का समर्थन करते हुए कहा, गौतम गंभीर को इस युवा टेस्ट टीम को तैयार करने के लिए कम से कम 12-18 महीने का समय दिया जाना चाहिए। कोहली और शर्मा जैसे खिलाड़ियों के बिना गंभीर के पास कोई विकल्प नहीं है। आप उनसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते। टी20 विश्व कप 2024 के बाद गौतम गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभालने को मिला। व्हाइट-बॉल की सफलता के बाद भी सबसे लंबे प्रारूप में गंभीर की सफलता चिंता का विषय बन गई है। 11 मैचों में, टीम इंडिया को 7 अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा और सिर्फ 3 जीत दर्ज की। गंभीर के कार्यकाल में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर वाइटवॉश और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हार का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं डब्ल्यूटीसी चक्र में पहली बार टीम इंडिया फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। बता दें कि टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 5 शतकों के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

रोमन रेंस की संभावित वापसी से डब्ल्यूडब्ल्यूई में हलचल

समरस्लैम में दिख सकते हैं एक्शन में

नई दिल्ली।

डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है कि रोमन रेंस, जो अप्रैल में रेसलमेनिया 41 के बाद से रिंग में नजर नहीं आए हैं, जल्द वापसी कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अगस्त में होने वाले समरस्लैम में वापसी करेंगे।

उनकी वापसी को लेकर कई कहानियां और रणनीतियां बन रही हैं। माना जा रहा है कि रेंस, पूर्व यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन के साथ मिलकर सैथ रॉलिंस के ग्रुप के सदस्यों ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड को मात दे सकते हैं। एलए नाइट की भी खबर इसमें जुड़ती दिख रही है। स्मैकडाउन के एक एपिसोड में ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड ने एलए नाइट पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इसके बाद यह साफ हुआ कि एलए नाइट को इन विरोधियों से निपटने के लिए किसी मजबूत साथी की जरूरत है और इस भूमिका में रोमन रेंस आ सकते हैं।

रोमन रेंस और सैथ रॉलिंस के बीच पुरानी दुश्मनी भी इस संभावित बात में अहम भूमिका निभा सकती है। दोनों रेसलमेनिया 41 में ट्रिपल थ्रेट मैच में आमने-सामने आए थे, जिसमें सीएम पंक भी शामिल थे। उस मैच में पॉल हेमैन ने, जो रोमन रेंस के सलाहकार और सीएम पंक के पुराने दोस्त माने जाते हैं, रॉलिंस का साथ देकर कहानी को और पेचीदा बना दिया था। इसके अगले ही दिन ब्रॉन ब्रेकर ने सैथ रॉलिंस के समर्थन में रोमन रेंस पर हमला किया और उन्हें बैरिकेड के पार स्पीयर मारा था। ऐसे में रोमन रेंस के पास एलए नाइट की मदद करने के कई कारण हैं और इससे एक दिलचस्प टैग-टीम बन सकती है। हालांकि यह सब फिलहाल अनुमान पर आधारित है। रोमन रेंस अब डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के फुल-टाइम रेसलर नहीं हैं और उन्हें हर हफ्ते रॉ या स्मैकडाउन में आने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने पहले भी कहा है कि वह अगले दो या तीन साल में रेसलिंग से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। साथ ही वह हॉलीवुड में भी खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। रेंस ने हॉब्स एंड शॉ और द रॉन्ग मिस्सी जैसी फिल्मों में भी काम किया है। फैंस की निगाहें अब इस पर टिकी हैं कि रोमन रेंस कब और कैसे वापसी करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

लीड्स टेस्ट मैच में दो शतक लगाने पर कोच गंभीर ने नहीं की पंत की तारीफ

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने सुनाया पुराना किस्सा, छिड़ गई बहस

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के दौरे पर टीम इंडिया के विकेट कीपर ऋषभ पंत ने वो कर दिखाया जिसे करने का सपना हर कोई देखता है लेकिन यह करना सबके बस की बात नहीं। टीम इंडिया के मुख्य कोच अपने पूरे टेस्ट करियर में जो नहीं कर पाए वह पंत ने 7 साल में कर दिखाया। इंग्लैंड में खेलते हुए टेस्ट की दोनों पारी में सेंचुरी ठोक कर तारीफ बटोर रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेट अजय जडेजा ने एक पुराना किस्सा सुनाया जिसने बहस छेड दी है। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जड़ा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए। भारतीय टीम भले ही मैच हार गई लेकिन ऋषभ पंत का नाम उन भारतीय दिग्गजों की सूची में शामिल हो गया जिसने टेस्ट में एक मैच की दोनों पारी में शतक लगाया। लीड्स टेस्ट मैच खत्म होने के बाद ऋषभ पंत ने दोनों पारी में जमाए शतक को लेकर जब कोच गौतम गंभीर से पूछा गया तो उनका रिएक्शन ज्यादातर लोगों को अजीब लगा। गंभीर ने कहा इस मुकाबले में भारतीय टीम की तरफ से तीन और शतक लगे है। वो भी काफी पॉजिटिव हैं। थैंक्यू। गौतम गंभीर ने पंत अकेले की तारीफ नही की उन्होंने कहा कि मुझे ज्यादा अच्छा लगता अगर आप ये कहते कि यशस्वी का शतक आया, शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर डेब्यू करते हुए शतक जमाया, केएल राहुल की सेंचुरी आई और ऋषभ पंत ने दो शतक बनाए, टेस्ट मैच में 5 शतक लगे। ये हमारे लिए बहुत अच्छी शुरुआत है। बता दें गौतम गंभीर ने इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैच खेले और कभी एक फिफ्टी नहीं बना पाए। पत ने 10 टेस्ट खेलकर इंग्लैंड में 4 शतक ठोक दिए। जडेजा ने कहा कि कुछ दिनों के लिए मैं दिल्ली रणजी टीम का कोच बनाया गया था। टीम का सलेक्शन हो रहा था, जो टीम के कप्तान थे और जो चयनकर्ता थे मैं उन सभी के साथ खेल चुका था। सलेक्टर्स का मानना था कि जो कप्तान को चाहिए वो दे देना सही है। टीम के कप्तान लड़ते रहे कि ये नहीं, चयनकर्ता लड़ते रहे कि ये होना चाहिए। और उस वक्त दोनों जो खिलाड़ी थे उन्होंने एक दूसरे को देखा नहीं था तो ऋषभ पंत का सलेक्शन नहीं हुआ। जडेजा ने कहा कि मैं कोच था तो ऋषभ पंत से कहा सलेक्शन भले ना हुआ हो लेकिन आप रणजी ट्रॉफी की प्रैक्टिस में आना। आप आगे तो टीम में आएंगे ना। इस पर मुझे पंत ने कहा, भैय्या रहने दीजिए ना जब उनको मेरी जरूरत होगी तो मुझे वह घर से बुलाएंगे।

एजबेस्टन में भारतीय टीम के लिए जीत आसान नहीं

बर्मिंघम।

भारतीय क्रिकेट टीम 2 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट में उतरेगी। भारतीय टीम पहले टेस्ट में मिली हार के कारण इस मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी करने के इरादे से उतरेगी हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा। इसका कारण है कि एजबेस्टन के मैदान पर आज तक भारतीय टीम को जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम ने यहां 1967 में यहां पहला टेस्ट मैच खेला था। उसके बाद से ही अब तक 58 साल हो गये हैं पर टीम इस मैदान पर जीत नहीं सकी है। ऐसे में युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में अगर इस मैदान पर भारतीय टीम जीतती है तो ये एक बड़ी उपलब्धि होगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो बर्मिंघम के इस मैदान पर भारतीय टीम ने पिछले 58 सालों में अब तक कुल 8 मैच खेले हैं जिसमें 7 में उसे हार मिली है जबकि एक बराबरी पर रहा है। ड्रॉ हुआ मैच भारतीय टीम ने 1986 में खेला था। साल 2001 के बाद से ही इस मैदान पर भारतीय टीम ने तीन मैच 2011, 2018 और 2022 में खेले हैं और तीनों में ही उसे हार मिली है।

साल 2011 में भारतीय टीम को एक पारी और 242 रनों से हार मिली जबकि साल 2018 और 22 में उसे 31 रन और 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। टीम को यहां कुल तीन मैचों में पारी की हार झेलनी पड़ी है। भारतीय टीम को इस मैच में

जीत के लिए अपनी गेंदबाजी और फिल्डिंग को बेहतर करने के साथ ही निचले क्रम की बल्लेबाजी भी बेहतर करनी होगी। पहले टेस्ट में भारतीय टीम का निचला क्रम असफल रहा था।

भारत को अगर एजबेस्टन टेस्ट जीतना है तो उसेक अपनी रणनीति के साथ ही टीम में बदलाव भी करने होंगे। एजबेस्टन में आज तक तेज गेंदबाज ही हावी रहे हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह को इस मैच में आराम दिया जाना है, ऐसे में भारतीय टीम के लिए उनका अच्छा विकल्प तलाशना कठिन होगा। इस मैच में भारतीय टीम एक स्पिनर के साथ उतरेगी। बुमराह के नहीं होने से अर्शदीप को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है।

जायसवाल की नजरें एजबेस्ट टेस्ट में सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

नई दिल्ली।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना हैं, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी। इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे। अगर यशस्वी एजबेस्टन में इस उपलब्धि से चूकते हैं तो उनके पास अगले मैच में भी गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा। सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले अन्य भारतीयों में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल हैं, जिन्होंने 25-25 टेस्ट में यह कारनामा किया था। हालांकि, पारियों के लिहाज से देखें तो राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने 40-40 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे, जबकि गावस्कर को 44 पारियां लगी थीं। यशस्वी जायसवाल ने अब तक 38 पारियां खेली हैं और अगर वह दूसरे टेस्ट की पहली पारी में ही 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2000 टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन जाएंगे। ऐसे में एजबेस्टन टेस्ट जायसवाल के लिए व्यक्तिगत और भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का बड़ा मौका साबित हो सकता है, साथ ही टीम इंडिया को भी उनकी बड़ी पारी से सीरीज में वापसी की मजबूत उम्मीद होगी।

टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से मोहम्मद शमी असंतुष्ट

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी असंतुष्ट हैं। भारतीय गेंदबाजों ने सभी पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटाए जिसमें केवल जसप्रीत बुमराह ही प्रभावी दिखे। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट लिए लेकिन दूसरी इनिंग में कोई विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड ने 371 रन के लक्ष्य के जवाब में आखिरी दिन 350 रन बनाए और 5 विकेट से जीत दर्ज की। शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, गेंदबाजी में अन्य भारतीय गेंदबाजों को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर वे बुमराह का समर्थन करेंगे, तो हम आसानी से मैच जीत सकते हैं। अगर मैं पहले मैच की बात करूं, तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है। शमी ने शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों का खेल पर कोई प्रभाव ना पड़ने की भी बात की। उन्होंने कहा, शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में दो-दो विकेट लिए, लेकिन जब तक शार्दुल ने इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों को आउट किया, तब तक मैच भारत की पहुंच से बाहर हो चुका था। नई गेंद से विकेट लेना बहुत जरूरी है। उन्हें बुमराह का समर्थन करना चाहिए। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट इसलिए जीता क्योंकि हमने बहुत सारे आसान रन दिए।

श्रीलंका से करारी हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो का इस्तीफा

कोलंबो।

कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश को श्रीलंका के हाथों पारी और 78 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम को दोहरा झटका लगा।

एक तो उसने यह सीरीज 0-1 से गंवा दी, दूसरा बड़ा झटका कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो के इस्तीफे के रूप में सामने आया। मैच खत्म होते ही शान्तो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया, जिससे बांग्लादेश क्रिकेट जगत में हलचल मच गई।

गौर करने वाली बात यह है कि सीरीज के पहले टेस्ट में शान्तो ने दोनों पारियों में शतक लगाकर इतिहास रचा था और वह ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले कप्तान बने थे। अचानक उनके इस फैसले ने फैन्स और टीम मैनेजमेंट को हैरानी में डाल दिया है। हालांकि शान्तो ने अपने फैसले की वजह भी साफ शब्दों में बताई। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शान्तो ने कहा कि वह अब टेस्ट टीम की कप्तानी जारी नहीं रखना चाहते क्योंकि यह फैसला उन्होंने टीम के हित में लिया है। उन्होंने कहा, ÷मैं अब टेस्ट प्रारूप में कप्तान के तौर पर काम नहीं करना चाहता।

यह व्यक्तिगत नहीं है। मुझे लगता है कि इससे टीम को मदद मिलेगी।÷ उन्होंने तीनों प्रारूपों में अलग-अलग कप्तान रखने को लेकर भी चिंता जताई और कहा, ÷मुझे लगता है कि तीन कप्तान होना समझदारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि बोर्ड इस बारे में क्या सोचेगा, लेकिन मैं उनके फैसले का समर्थन करूंगा। यह मेरा निजी निर्णय है।÷ मैच की बात करें तो बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की लेकिन पहली पारी में टीम 247 रन ही बना पाई। इसके जवाब में श्रीलंका ने 458 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल की।

स्पिनर एडम जम्पा ने सरे के साथ किया अनुबंध

सरे।

ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने चार टी20 ब्लास्ट मैच खेलने के लिए सरे के साथ अनुबंध किया है। एडम अगले महीने 6 जुलाई को द ओवल में एसेक्स के खिलाफ सरे के डबल-हेडर मैच से पहले पहुंचेंगे। लेग स्पिनर जम्पा ने अपने करियर में 350 से अधिक टी20 विकेट लिए हैं जिसने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग , बिग बैश और द हंड्रेड सहित दुनिया भर की सभी सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी लीगों में ले जाया है, जहां उन्होंने 2023 और 2024 में ओवल इनविंसिबल्स को लगातार खिताब दिलाने में मदद की। सैम कुरेन की सरे प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है, उसने केंट के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की, जिसमें क्रिस जॉर्डन ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत सुनिश्चित की। इसके बाद ससेक्स और मिडलसेक्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्यापक जीत हासिल की। जम्पा का पहला मैच 6 जुलाई को एसेक्स के खिलाफ डबल-हेडर होगा, इसके बाद ग्लॉस्टरशायर से भिड़ने के लिए ब्रिस्टल की यात्रा होगी। वह 11 जुलाई को ओवल में सरे के ग्लैमरगन से भिड़ने से पहले लाइट्स के नीचे फिर से एक्शन में होंगे, उसके बाद 13 जुलाई को ग्रुप लीडर समरसेट के खिलाफ एक और डबल-हेडर में श्री फेदर्स में अपने शुरुआती स्पेल को समाप्त करेंगे। यदि सरे प्रतियोगिता के नॉकआउट चरणों में पहुंचता है, तो जम्पा क्वार्टर फाइनल और फाइनल डे के लिए उपलब्ध होंगे। सरे में हाई-परफॉरमेंस क्रिकेट सलाहकार एलेक स्टीवर्ट ने कहा, एडम जम्पा विश्व क्रिकेट में सबसे बेहतरीन टी20 स्पिनरों में से एक हैं और मैं विटैलिटी ब्लास्ट के लिए सरे में उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

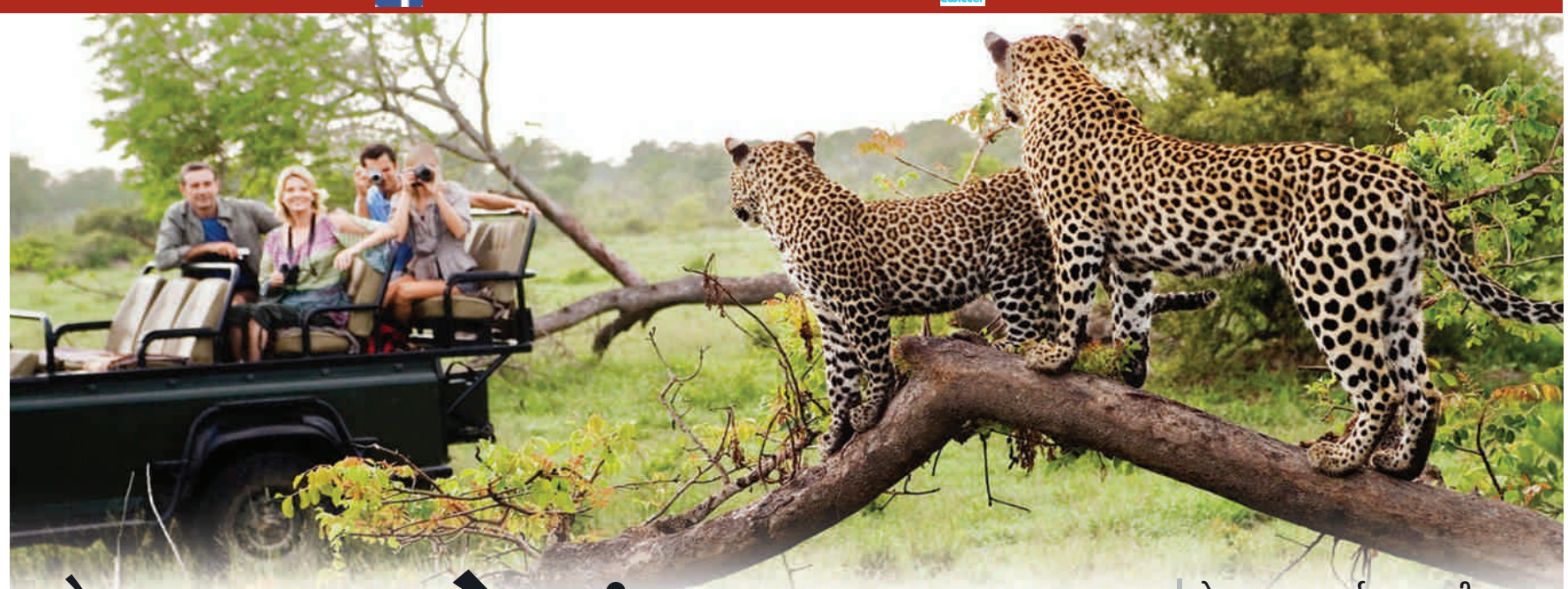

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। इकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतू पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-बांग्लादेश के बीच 2026 में खत्म हो रही गंगा जल संधि

नई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत चाहता है नया समझौता

नई दिल्ली।

भारत, बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि में संशोधन को लेकर गंभीर है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद भारत इस पर भी विचार कर रहा है। भारत अब अपनी विकास संबंधी नई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश के साथ एक नया समझौता करना चाहता है। 1996 में शेख हसीना के कार्यकाल में हुई गंगा जल बंटवारा संधि 2026 में खत्म हो रही है। इस संधि को आपसी सहमति से फिर से लागू किया जाना है, लेकिन अब भारत एक नई संधि चाहता है, जो उसकी वर्तमान विकास जरुरतों को पूरा करे।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में गंगा जल बंटवारा संधि हुई थी। यह संधि गंगा नदी के पानी को साझा करने के लिए की गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत इस संधि में बदलाव चाहता है। भारत का कहना है कि उसे सिंचाई, बंदरगाह के रखरखाव और बिजली उत्पादन के लिए ज्यादा पानी की जरूरत है। इसलिए, वह मौजूदा संधि में संशोधन चाहता है।

सूत्रों का कहना है कि भारत को हर साल 1 जनवरी से 31 मई के बीच अब पहले से ज्यादा पानी की जरूरत है। मानसून की शुरुआत नहीं होने की वजह से इस समय गंगा नदी में पानी की कमी हो जाती है। इसका असर वाराणसी से पटना की ओर आगे बढ़ते ही दिखना शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे और आगे बढ़ते हैं, स्थिति और बुरी होती जाती है। भारत चाहता है कि संधि में बदलाव करके उसे ज्यादा पानी मिले, ताकि गंगा में पानी का बहाव अच्छी स्थिति में बना रहे। कम पानी की वजह से गंगा में बालू जमा होने की समस्या बढ़ रही है। गंगा जल संधि पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज पर गंगा नदी के पानी के बंटवारे को लेकर है।

संधि के मुताबिक 11 मार्च से 11 मई तक भारत और बांग्लादेश दोनों को 10-10 दिनों के लिए 35,000 क्यूसेक पानी मिलता है, लेकिन अब भारत चाहता है कि उसे इस दौरान उसे 30,000 से 35,000 क्यूसेक पानी अतिरिक्त मिले। फरक्का बैराज 1975 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य गंगा नदी से हुगली नदी में पानी भेजना था। इससे कोलकाता बंदरगाह में जहाजों की आवाजाही के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होता है, जिससे यह प्रक्रिया आसान है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल सरकार भी केंद्र सरकार की मंशा से सहमत और संधि में संशोधन के पक्ष में है। पश्चिम बंगाल सरकार का मानना है कि संधि की वर्तमान व्यवस्था उसकी जरूरतों को पूरा नहीं करती है। गंगा जल संधि में कहा गया था, कि ऊपरी तटवर्ती राज्य, भारत, और निचला तटवर्ती राज्य,

बांग्लादेश, फरक्का में गंगा के पानी को साझा करने के लिए सहमत हुए। फरक्का बांध बांग्लादेश सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर भागीरथी नदी पर बना है। फरक्का बैराज कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के लिए एक फीडर नहर में 40,000 क्यूसेक पानी भेजने के लिए बनाया गया था। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा नदी के पानी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह संधि इस विवाद को सुलझाने की एक कोशिश थी। अब भारत इस संधि में बदलाव करके भारत अपनी जरूरतों को पूरा करना चाहता है।

संक्षिप्त समाचार

शास्त्र और शस्त्र की शक्ति से भारत को फिर विश्व गुरु बना करते हैं: शिंदे

मुंबई।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास और विरासत दोनों में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शास्त्र और शस्त्र की संयुक्त शक्ति से ही भारत को फिर से विश्व गुरु बनाया जा सकता है। वाराणसी के दुर्गाकुंड स्थित श्री कृपात्रीजी महाराज के आश्रम धर्मसंघ मठ में शास्त्र संग्रहालय एवं शोध केंद्र के उद्घाटन अवसर पर शिंदे ने कहा कि काशी में इस प्रकार की पहल भारत की सांस्कृतिक आत्मा को फिर से जाग्रत करने वाली है। यह संस्थान केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि सनातन जीवन दृष्टि का प्रतीक है। शिंदे ने कहा ग्रंथों का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर यूपी के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि यह संग्रहालय आम जनता, खासकर युवाओं को शास्त्रों के प्रति आकर्षित करने में मददगार साबित होगा। शास्त्र संग्रहालय एवं शोध केंद्र के अध्यक्ष भुजंग बोबड़े ने कहा कि काशी सदियों से ज्ञान, ध्यान और दर्शन का केंद्र रही है। इस संग्रहालय की स्थापना शोधकर्ताओं और संस्कृत विद्वानों के लिए अमूल्य धरोहर साबित होगी।

ईरानी विदेश मंत्री ने जयशंकर से की बात, पोस्ट कर लिखा 'जय ईरान-जय हिन्द',

नई दिल्ली।

भारतीय विदेश मंत्री की बातचीत ईरान के विदेश मंत्री से हुई है। ईरानी विदेश मंत्री ने एस जयशंकर को मौजूदा हालात के बारे में जानकारी दी है। बातचीत के बारे में खुद जयशंकर ने पोस्ट करके लिखा है कि शनिवार दोपहर ईरानी विदेश मंत्री अरागची से बात की। मौजूदा जटिल स्थिति में ईरान के दृष्टिकोण और सोच को साझा करने के लिए उनकी सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए उनका (अराघची को) धन्यवाद। यानी की ईरान ने अपना स्टैंड फोन करके भारत को साफ तौर पर बात दिया है। ईरान ने पूरे मामले की जानकारी दी है। इस मामले में भारत शुरु से ही कह रहा था कि स्थिति चिंताजनक है और ईरान व इजरायल दोनों ही उनके मित्र देश हैं। इसके बाद दोनों देशों को अगर बातचीत करनी है, तब भारत उसमें अपनी भूमिका निभा सकता है। इतना ही नहीं दोनों देशों से भारत ने डिस्क्लेशन की अपील कर कहा था कि दोनों देश बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए अपने मसले को सुलझा ले। यही ज्यादा बेहतर होगा। हालांकि ईरान बार बार कह रहा है कि वहां अपना परमाणु कार्यक्रम बंद नहीं करेगा। वहीं अमेरिका और इजरायल इस बात पर अडिग हैं कि ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करना ही होगा। यही सब तनाव के कारण लगातार स्थिति बिगड़ती चली गई और मामला युद्ध तक चला गया। ईरानी दूतावास ने भारत से मिले अपार समर्थन पर बयान के आखिर में लिखा गया, 'जय ईरान-जय हिन्द', जो लोगों के दिल को छू गया।

हेमकुंड साहिब की यात्रा कर लौट रहा किशोर खाई में गिरा, बचाव दल ने सुरक्षित निकाला

गोपेश्वर।

अमृतसर के ग्राम मानावाल निवासी जुगराज सिंह (काका) का पुत्र सुखदेव सिंह (15) अपने मौसा के साथ हेमकुंड साहिब की यात्रा पर गया था। लौटते समय पुलना और गोविंदघाट के बीच पुरानी सड़क पर पैदल चलते हुए जुगराज लघुशंका करने मुख्य रास्ते से नीचे उतर गया। चलते चलते वह इतना थक गया कि उसके कदम लड़खड़ा गए वह अपना आपा खो बैठा और करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही गोविंदघाट पुलिस, एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। बारिश और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद बचाव दल ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। काफी प्रयासों के बाद टीम ने जुगराज सिंह को सुरक्षित खाई से बाहर निकालकर उसे तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच की। राहत की बात यह है कि उसे हल्की चोटें आई, वह पूरी तरह स्वस्थ है। प्राथमिक उपचार के बाद किशोर को उसके परिजनों को सौंप दिया। जुगराज के परिजनों ने उत्तराखंड पुलिस और बचाव दल के सदस्यों का आभार माना। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से उनके बेटे की जान बचाई गई।

भारत ने श्रीलंका के साथ कर ली डॉकयार्ड डील, चीनी घुसपैठ को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली।

भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण प्राथमिक पूंजी निवेश और द्वितीयक शेयर खरीद के संयोजन के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी लिमिटेड से शेयरों की खरीद शामिल है, जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की बहुसंख्यक हिस्सेदार है। यह सौदा नियामक अनुमोदन और अन्य सामान्य शर्तों के अधीन है, और इसके चार से छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है। सौदे के पूरा होने पर, कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बन जाएगी।भारत की प्रमुख रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड, कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 452 करोड़ रुपये) का है। यह भारत की किसी सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी द्वारा किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण होगा और इसके जरिए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलेगी। यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब चीन की सैन्य और आर्थिक घुसपैठ श्रीलंका सहित पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।**क्षेत्रीय समुद्री शक्ति बनाएगी डील** एमडीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कैप्टन जगमोहन ने के मुताबिक, सीडीपीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी का प्रस्तावित अधिग्रहण हमारे शिपयार्ड को एक क्षेत्रीय समुद्री शक्ति और आगे चलकर एक वैश्विक शिपबिल्डिंग कंपनी में बदलने की दिशा में एक गेटवे है। उन्होंने कहा, कोलंबो पोर्ट पर सीडीपीएलसी की रणनीतिक स्थिति, इसकी सिद्ध क्षमताएं और क्षेत्रीय उपस्थिति, एमडीएल को दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से करेंगे 5 देशों का दौरा, ब्रिक्स में भी होंगे शामिल

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आधिकारिक विदेश यात्रा पर रहेंगे। यह उनका कार्यकाल का सबसे लंबा विदेश दौरा माना जा रहा है। इस दौरान वह 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित होने जा रहे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

अपनी यात्रा की शुरुआत प्रधानमंत्री घाना से करेंगे, जहां वह 2-3 जुलाई को राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देंगे। इसके बाद 3-4 जुलाई को वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलकर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती देंगे। प्रधानमंत्री 4-5 जुलाई को अर्जेंटीना पहुंचेंगे और राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे।

5-8 जुलाई को पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर रहेंगे और ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान वे वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और एआई जैसे मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री 9 जुलाई को नामीबिया की पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और यहां वे संसद को संबोधित भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह बहुपक्षीय और द्विपक्षीय यात्राएं वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताई जा रही हैं।

रथ यात्रा के दूसरे दिन अपनी मौसी के घर के लिए निकले भगवान जगन्नाथ

पुरी।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ रही है, जिसे भगवान की मौसी का घर माना जाता है। हर साल भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को जगन्नाथ मंदिर से लगभग 2।5 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर तक खींचकर लाया जाता है।

भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा यहां एक हफ्ते के लिए ठहरेंगे। इसी तरह के जश्न के साथ भगवान वापस जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह लौटेंगे।विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी पुरी में जगन्नाथ महोत्सव रथ यात्रा का दूसरा दिन है। ये रथ यात्रा अगले पड़ाव के लिए निकल चुकी है।

शनिवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के तीन रथों को खींचने का काम परंपरा के अनुसार आज सुबह 9:30 बजे फिर से शुरू हुआ।

इस रथयात्रा का शुक्रवार शाम 4 बजे शुभारंभ हुआ था। पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया, फिर सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। भक्तों की भारी भीड़ रही और इस दौरान कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ी। इस वजह से रथयात्रा को बीच में ही विश्राम दे दिया गया। अगले दिन यानी शनिवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को आगे बढ़ाया जा रहा है। पूरा शहर भगवान जगन्नाथ की भक्ति में सराबोर है। रथ खींचने के दूसरे दिन का हिस्सा बनने के लिए हजारों लोग पुरी में पहले ही जमा हैं। कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है, और चारों ओर जय जगन्नाथ के उद्घोष गूंज रहे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट हड़कंप, एयरइंडिया के क्रू मेंबर को मिली विमान में बम होने की धमकी

नई दिल्ली।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह हड़कंप मच गया। एयर इंडिया की एक फ्लाइट में क्रू मेंबर को धमकी भरा पत्र मिला, जिसमें लिखा था कि फ्लाइट नंबर 2948 में बम रखा है। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट अधिकारियों के होश उड़ गए और आनन-फानन में फ्लाइट की जाँच की गई। हालांकि तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला जिसके बाद इसे झूठी धमकी घोषित किया गया।

जानकारी के मुताबिक बम की धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एयर इंडिया की इस फ्लाइट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। बम निरोधक दस्तों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने हर कोने की बारीकी से जांच की लेकिन किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु या उपकरण नहीं मिला तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

बता दें पिछले कुछ हफ्तों से एयर इंडिया की उड़ानों में कई तकनीकी और परिचालन संबंधी समस्याएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं ने एयर इंडिया के विमानों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को लेकर

चिंताएं बढ़ा दी हैं। कई उड़ानों को रद्द भी किया जा चुका है जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा ।

बता दें यह धमकी ऐसे समय में आई है जब एयर इंडिया हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से उबर भी नहीं पाई है। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस भयानक हादसे में विमान में सवार 242 में से 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज के कई लोग भी इस दुर्घटना का शिकार हुए थे।

चित्तेरी स्टेशन पास ट्रेन पटरी से उतरी, टूटा मिला ट्रैक, बड़ा हादसा टला

लोको पायलट बिना देर किए ट्रेन को रोका, सैकड़ों लोगों की बची जान

रानीपेट।

तमिलनाडु के रानीपेट जिले में एक ट्रेन पटरी से उतर गई। जिसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। जिले के चिट्टेरी रेलवे स्टेशन पर अराकोणम-कटपडी मेमू पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि ट्रेन के चित्तेरी स्टेशन से रवाना होने के कुछ समय के बाद पटरी से उतर गई। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच में पता चला है कि लोको पायलट द्वारा ट्रेन को तुरंत रोकने से पहले तेज आवाज सुनी गई। लोको पायलट बिना देर किए ट्रेन को रोका जिससे सैकड़ों लोगों की जान बच गई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटनास्थल की तस्वीरें सामने आई है, उसे देखकर पता चल रहा है कि ट्रेन के पटरी से उतरने की जगह पर रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा टूटा हुआ दिखाई दे रहा है। घटनास्थल पर मौजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी

को कोई चोट या नुकसान नहीं पहुंचा है। इस घटना के बाद दक्षिणी रेलवे ने ट्रेन सेवाओं में व्यवधान की सीमा या पूर्ण बहाली के अनुमानित समय के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। घटना के बाद ट्रैक की मरम्मत का कार्य जारी है और रेलवे कर्मचारी और आपातकालीन दल मौके पर संरचनात्मक क्षति का आकलन करने पहुंचा। बता दें इससे पहले साल 2011 में चित्तेरी के पास दो ट्रेनों के बीच टक्कर हो गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शतब्दी समारोह में कहा- भारत सेवा प्रधान देश, जीवंत सभ्यता का प्रतीक

'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से हुए सम्मानित

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जैन समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए गए।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में आचार्य विद्यानंद जी महाराज को भारत की अध्यात्म परंपरा का प्रकाश स्तंभ बताया और उनके जीवन और विचारों को देश की सांस्कृतिक चेतना का अमूल्य हिस्सा कहा। मोदी ने कहा, कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है, क्योंकि हमारे विचार, चिंतन और दर्शन अमर हैं। हमारे ऋषि-मुनि, संत और आचार्य इस परंपरा के स्रोत रहे हैं और आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं।

सम्मानित किए जाने पर पीएम मोदी ने मंच से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि को प्रसाद की तरह स्वीकार करते हैं और उसे भारत माता के चरणों में अर्पित करते हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 28 जून, 1987 को ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी, जिससे यह तिथि और भी विशेष बन जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य जी के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा- जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो। यही विचार भारत की आत्मा से जुड़ा है, और यही सेवा भावना भारत को मानवता प्रधान राष्ट्र बनाती है।

पीएम मोदी ने भारत की अहिंसा, सेवा और सह-अस्तित्व की परंपरा पर बल देते हुए कहा कि जब दुनिया हिंसा से हिंसा को समाप्त करने की कोशिश कर रही थी, तब भारत ने अहिंसा को समाधान के रूप में प्रस्तुत

किया।

इस गरिमामय कार्यक्रम में अनेक साधु-संतों समेत जैन धर्मावलंबियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री ने अंत में आचार्य विद्यानंद जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आशीर्वाद की कामना की।

सोशल मीडिया पर शेफाली जरीवाला की आई मौत की खबर, लोग बोले ये जांच क्यों हो रही है

मुंबई।

कांटा लगा गर्ल के नाम से जानी जाने वाली अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की डेथ की खबर ने सभी को हैरान कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस के पति एक्टर पराग त्यागी उन्हें बीती रात मुंबई के बेलेव्यू मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कुछ रिपोर्ट्स में एक्ट्रेस की डेथ के कारण को कार्डियक अरेस्ट बताया गया है, हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

अब कुछ वीडियो सामने आ रहे हैं जिसमें फॉरेंसिक टीम शेफाली के घर जांच के लिए पहुंची है।

बता दें, कांटा लगा गर्ल शेफाली जरीवाला की डेथ की खबर सामने आई है।

एक्ट्रेस सिर्फ 42 साल की थीं। रिपोर्ट सामने आई है कि एक्ट्रेस डेथ बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए कूपर हॉस्पिटल भेजा गया है।

अली गोनी, दिव्यांका त्रिपाठी, मीका सिंह समेत कई सेलेब्रिटीज ने एक्ट्रेस की डेथ पर शोक व्यक्त किया है। बॉलीवुड फोटोग्राफर विरल भैयानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 2 वीडियोज शेयर किए हैं।

इन वीडियो में फॉरेंसिक की टीम और पुलिस को एक्ट्रेस के घर के बाहर देखा जा सकता है। बताया जा रहा है फॉरेंसिक की टीम एक्ट्रेस की डेथ के दौरान की परिस्थितियों की जांच के लिए पहुंची हैं। वहीं सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हैं। इन वीडियोस पर सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फोरेंसिक जांच होने पर हैरानी जताई है।

एक यूजर ने लिखा, 'फॉरेंसिक टीम, क्यों, क्या हुआ है?' एक अन्य यूजर ने लिखा, यकीन नहीं हो रहा है शेफाली नहीं रही, एक यूजर ने लिखा, 'पोस्टमार्टम में कुछ आया है क्या?',

एक अन्य यूजर ने लिखा, एक दो दिन पहले किसी की पार्टी में नाच रही थी, जब लोगों ने बुरे कमेंट किए थे। अब वो नहीं रही, एक यूजर ने लिखा, भगवान उसकी आत्मा को शांति दे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने ग्वाटेमाला और होंडुरास के साथ शरणार्थियों को लेने का समझौता किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अमेरिका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, अब ये देश उन लोगों को शरण देंगे, जो पहले अमेरिका में शरण मांगने की सोचते थे। यह जानकारी अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने दी। वह इस समय मध्य अमेरिका के दौरे पर हैं। क्रिस्टी नोएम ने कहा कि इस समझौते से लोगों को अमेरिका के अलावा किसी और सुरक्षित देश में रहने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका इन समझौतों को लागू करवाने के लिए ग्वाटेमाला और होंडुरास पर कई महीनों से दबाव बना रहा था। उन्होंने कहा, अब से होंडुरास और ग्वाटेमाला ऐसे देश होंगे, जो दूसरे देशों से आए लोगों को शरण देंगे और उन्हें शरणार्थी का दर्जा भी देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका कभी नहीं चाहता था कि वह शरणार्थियों के लिए एकमात्र विकल्प हो। जरूरी यह है कि उन्हें किसी भी सुरक्षित जगह शरण मिले, चाहे वह अमेरिका हो या कोई और देश।

जापान में नौ लोगों के हत्यारे को फांसी की सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के न्याय मंत्रालय ने कहा कि टोक्यो में अपने अपार्टमेंट में नौ लोगों की हत्या और शवों के टुकड़े-टुकड़े करने के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को शुक्रवार को फांसी दे दी गई। ट्विटर किलर ताकाहिरो शिराशी को 2017 में नौ लोगों की हत्या के लिए 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी। इनमें से ज्यादातर ने सोशल मीडिया पर आत्महत्या के विचार पोस्ट किए थे। उसे महिला पीड़ितों का यौन शोषण करने का भी दोषी ठहराया गया था। शिराइशी को टोक्यो डिटेंशन हाउस में अत्यंत गोपनीयता के साथ फांसी दी गई। पुलिस ने 2017 में उसके अपार्टमेंट में कोल्ड स्टोरेज केस में आठ महिलाओं और एक पुरुष के शव मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था।

एआई के प्रभाव को लेकर भारत के साथ काम कर रहा यूनेस्को

पेरिस, एजेंसी। यूनेस्को के सामाजिक एवं मानव विज्ञान क्षेत्र की एआई इकाई के नैतिकता प्रमुख इराकली खोडेली ने कहा कि यूनेस्को तकनीकी नवाचार के साथ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव पर भारत के साथ काम कर रहा है। भारत को अगले साल की शुरुआत में एआई प्रभाव पर वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करनी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन के मामले में तथा तकनीकी नवाचार और सही नीति के साथ कुछ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान के मामले में भारत शेष विश्व के लिए एक चमकता सितारा है। दुनिया इस बारे में जानने के लिए भारत की ओर देख रही है। यह अगले साल के शिखर सम्मेलन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि एआई के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए कार्रवाई की जाए। हमें उम्मीद है कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे क्योंकि हम अगले साल की शुरुआत में भारत द्वारा आयोजित एआई प्रभाव पर वैश्विक शिखर सम्मेलन की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक 1 जुलाई को

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 1 जुलाई को वाशिंगटन डीसी में क्वाड देशों- ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। यह जानकारी बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने दी। प्रेस ब्रीफिंग में पिगॉट ने कहा, अगले हफ्ते, विदेश मंत्री रुबियो 1 जुलाई को क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। यह बैठक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित बनाने के हमारे लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी। यही अमेरिकी नेतृत्व की पहचान है- ताकत, शांति और समृद्धि।

मेक्सिकन राष्ट्रपति ने बैंकों पर यूएस प्रतिबंधों की निंदा की

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को अमेरिका द्वारा मेक्सिको के तीन बैंकों पर लगाए गए प्रतिबंधों की निंदा की। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इन बैंकों पर धन शोधन के जो आरोप लगाए हैं, उनके लिए अभी तक कोई सबूत नहीं दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने बुधवार को सीआईबैंको, इंटरकैम बैंको और वेक्टर कासा डी बोल्सा पर प्रतिबंध लगाए। इन पर आरोप है कि इन्होंने मेक्सिकन ड्रग माफिया को करोड़ों डॉलर का धन हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की है। लेकिन राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बार-बार पूछे जाने पर भी ये नहीं बताया कि आखिर क्या सबूत हैं कि इन बैंकों ने कोई गलत काम किया है। उन्होंने कहा, ट्रेजरी विभाग ने कोई सबूत नहीं दिया कि मनी लॉन्ड्रिंग हुई थी। हम किसी को बचा नहीं रहे, लेकिन अगर उन्होंने आरोप लगाए हैं तो उन्हें सबूत भी देने चाहिए।

ओबामा बोले- अमेरिका लोकतंत्र से भटक रहा: ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही, ट्रेड वॉर से खतरे में देश की गरिमा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर कॉक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की। ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वॉर को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है।

हंगरी जैसे देशों के रास्ते पर बढ़ रहा अमेरिका : ओबामा ने अमेरिका की तुलना हंगरी जैसे देशों से की, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन वहां सच में लोगों की आवाज की कद्र नहीं होती और नेता मनमानी करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका भी अब ऐसे ही रास्ते पर बढ़ रहा है, जहां कानून और लोकतंत्र की असली भावना कमजोर हो रही है। ओबामा ने चेतावनी दी कि अमेरिका में भी हालात उस दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं। ओबामा ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का उदाहरण दिया, जिसमें बाइडेन ने जीत हासिल की थी, लेकिन हारने वाले डोनाल्ड ट्रम्प ने धोखाधड़ी के झूठे आरोप लगाए। ओबामा ने पुतिन और केजीबी का उदाहरण दिया ओबामा ने इंटरव्यू में कहा कि सत्ता में बैठे लोग अक्सर उस माहौल का फायदा उठाते हैं, जहां लोगों को यह पता ही नहीं होता कि सच क्या है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और उनके केजीबी (जासूसी एजेंसी) की एक कहावत है, जिसे अमेरिका में ट्रम्प के सलाहकार स्टीव बैनन ने भी अपनाया। इस कहावत का मतलब है कि अगर आप चाहते हैं कि लोगों का दिमाग उलझ जाए, तो उन्हें सच्चाई समझाने की जरूरत नहीं है। उस माहौल में इतना ज्यादा झूठ और बकवास भर दो कि लोगों को लगे, अब किसी बात पर यकीन करना ही फिजूल है।

जब लोग सच से हार मान लें, तभी तानाशाही पनपती है : ओबामा ने आगे कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई नेता बार-बार झूठ बोल रहा है, या कोई राष्ट्रपति यह दावा कर रहा है कि उसने चुनाव नहीं हारा, बल्कि जीत हासिल की है, और चुनाव में गड़बड़ी हुई थी। लेकिन जब वही नेता चुनाव जीत जाता है, तो वह गड़बड़ी अचानक गायब हो जाती है। झूठ पर कौन यकीन करता है, ये इतना मायने नहीं रखता, असली समस्या तब है जब लोग इन सबसे हार मानकर कहने लगते हैं, अब तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता। जब लोग सच से हार मान लेते हैं, तभी तानाशाही पनपती है। ओबामा ने आगे कहा कि अमेरिका की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी (रिपब्लिकन पार्टी) में आज यही हो रहा है। कई नेता जानते हैं कि जो बातें हो रही हैं वो सच नहीं हैं, लेकिन फिर भी वे ऐसा नाटक करते हैं जैसे सबकुछ ठीक और सच हो। यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

ओबामा ने लोगों से कानून के पक्ष में खड़े होने की अपील की : ओबामा ने कहा कि अमेरिकी संविधान में लोकतांत्रिक नियम-कायदे भले ही शुरुआत में अधूरे थे, लेकिन समय के साथ इन्हें मजबूत किया गया। इससे नागरिकों को बुनियादी अधिकार मिले, जैसे कि बिना कानूनी प्रक्रिया के किसी को सड़क से उठाकर किसी और देश नहीं ले जाया जा सकता। यह कोई राजनीतिक विचार नहीं था, बल्कि एक साझा अमेरिकी मूल्य था। ओबामा ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अब तक का यह दौर अमेरिकी लोकतंत्र के लिए सबसे कठिन समय है। अमेरिकी सरकार का नेतृत्व ऐसे हाथों में है जिन्हें कानून के शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी में आस्था नहीं है। यह सत्ता संविधान की शपथ लेकर भी उस पर आस्था नहीं दिखा रही। ओबामा ने कहा कि आज जरूरत है कि सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि सरकार में मौजूद अधिकारी, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों, कानून के पक्ष में खड़े हों और कहें, नहीं, यह गलत है। कानून यही कहता है और हमें उसका पालन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकारी तंत्र में ऐसे लोग न हों, तो लोकतंत्र की दिशा बिगड़ सकती है। लोकतंत्र अपने आप नहीं चलता। इसके लिए लोगों की जरूरत होती है। जज, न्याय विभाग के अफसर, सरकार के अंदर ऐसे लोग जो संविधान की रक्षा की शपथ को गंभीरता से लें, ओबामा ने कहा। अगर ऐसा नहीं होता, तो देश धीरे-धीरे तानाशाही जैसी व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है। कार्यक्रम के अंत में जब उनसे पूछा गया कि वह युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं, तो ओबामा ने कहा कि वह अब भी आशावादी हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि गलत चीजों के खिलाफ गुस्सा जरूरी है, लेकिन बदलाव लाने के लिए जोड़ने वाली सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपको उन लोगों से भी बातचीत करनी होगी जो आपसे हर बात पर सहमत नहीं हैं, लेकिन कुछ बातों पर हो सकते हैं।

मधेसी पार्टी जसपा ने वापस लिया समर्थन, उच्च सदन में अल्पमत में आई ओली सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रमुख मधेसी पार्टी जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) नेपाल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन से औपचारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है। इससे ओली सरकार उच्च सदन नेशनल असेंबली में अल्पमत में आ गई है। हालांकि उपेंद्र यादव के नेतृत्व वाली जसपा के समर्थन वापस लेने से गठबंधन सरकार पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि उसके पास प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त संख्या है। ओली की पार्टी ने कहा कि उसे जसपा नेपाल के समर्थन वापस लेने का कोई कारण नहीं दिखता है। जसपा नेपाल ने 23 और 24 जून को हुई पार्टी की कार्यकारी परिषद की बैठक के दौरान सरकार से समर्थन वापस लेने का निर्णय लिया था। जसपा नेपाल के उपाध्यक्ष शिव लाल थापा ने बताया कि पार्टी अब कुछ दिनों में संसदीय दल की बैठक बुलाने के बाद संसद के अध्यक्ष को आधिकारिक रूप से अपना निर्णय बताएगी। उन्होंने बताया कि पिछले साल नेपाली कांग्रेस के समर्थन से सरकार का नेतृत्व संभालते समय ओली ने भ्रष्टाचार समाप्त करने, सुशासन लाने, आर्थिक प्रगति करने और संविधान में संशोधन करने का वादा किया था। हमने इन चार एजेंडों पर सरकार को समर्थन दिया था। लेकिन एक साल बाद भी हमें नहीं लगता कि सरकार को इन मुद्दों की कोई चिंता है। इसलिए हमने ओली के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला किया है। नेशनल असेंबली में 18 सदस्यों के साथ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) सबसे बड़ी पार्टी है। इसके बाद 16 सदस्यों के साथ नेपाली कांग्रेस है जबकि ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 11 सदस्य हैं और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत समाजवादी) के पास आठ सीटें हैं।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि को लेकर फ्रांस चिंतित, मैक्रों ने ट्रंप से कही ये बात

ब्रुसेल्स, एजेंसी। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर फ्रांस की चिंता बढ़ गई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि अमेरिकी हमलों से ईरान को नुकसान हुआ है। अब साफ है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से खुद को बाहर कर लेगा। मैक्रों का कहना है कि यह स्थिति सबसे खराब होगी। इस मामले को लेकर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात भी की है। मैक्रों ने कहा कि अमेरिकी हमलों का नतीजा यह होगा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकल जाएगा। इसलिए यह एक भटकाव और सामूहिक रूप से कमजोर हो जाएगा। हमारी कोशिश है कि हम संधि को कायम रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्य से बात करेंगे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात की और कहा कि हमले के बाद हमने तेहरान से संपर्क किए हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे विचार समान होंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि ईरान द्वारा परमाणु निर्माण कार्य पुनः शुरू न किया जाए। ईरान ने 1950 के दशक के अंत में अमेरिका की तकनीकी सहायता से अपने परमाणु कार्यक्रम की नींव रखी। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी ईरान के शासक थे।

बांग्लादेश में मंदिर पर चला बुलडोजर, भारत ने जताई नाराजगी; कहा- सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बने एक अस्थायी दुर्गा मंदिर को ढहाने को लेकर भारत ने कड़ी नाराजगी जताई है। भारत ने साफ कहा है कि बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को मंदिर को सुरक्षा देनी चाहिए थी, लेकिन उसने इसे अवैध कब्जा बताकर गिरा दिया। इस घटना में मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ चरमपंथी ढाका के खुलीखेत में बने दुर्गा मंदिर को गिराने की मांग कर रहे थे। लेकिन अंतरिम सरकार ने मंदिर की सुरक्षा करने के बजाय इसे अवैध कब्जा बता दिया और आज मंदिर ढहा दिया गया।

मूर्ति को भी नुकसान, भारत ने जताई चिंता : जयसवाल ने आगे कहा कि इस कार्रवाई के दौरान मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि हम इस बात से बेहद दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय, उनकी संपत्ति और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

रेलवे जमीन पर बना था अस्थायी मंदिर : दरअसल, बांग्लादेश रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को ढाका के खुलीखेत इलाके में बने अस्थायी दुर्गा मंदिर को गिरा दिया। प्रशासन का दावा है कि मंदिर रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। मंदिर गिराने की यह कार्रवाई ऐसे वक्त हुई जब तीन दिन पहले ही भीड़ ने मंदिर हटाने की मांग की थी।

स्थानीय लोगों और संगठनों ने की निंदा : मंदिर कमेटी और अल्पसंख्यक संगठनों ने मंदिर गिराने की निंदा की है। मंदिर कमेटी के सचिव अर्जुन रॉय ने बताया कि उन्होंने पिछले साल दुर्गा पूजा के लिए रेलवे से अस्थायी अनुमति ली थी, लेकिन इस बार बिना कोई नोटिस दिए मंदिर गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें बहुत दुख है कि प्रशासन ने बिना सूचना के कार्रवाई कर दी।

प्रशासन ने बताया गैरकानूनी कब्जा : ढाका रेलवे डिवीजन के संपत्ति अधिकारी मोहम्मद नासिर उद्दीन महमूद ने दावा किया कि रेलवे की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि हमें सोमवार को जानकारी मिली कि वहां एक अस्थायी मंदिर बनाया गया है।

अमेरिका ने दोबारा हमला बोला तो ईरान उसके सैन्य ठिकाने पर हमला करेंगे: खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा कि ईरान भविष्य में किसी भी अमेरिकी हमले का जवाब पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके देगा। उन्होंने यह बात ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध विराम के बाद पहली बार टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में कही। इससे पहले बीते दिन खामनेई ने कहा था, ;उनके देश ने अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए अहम है, क्योंकि 12 दिनों के वार-पलटवार के बाद इस्राइल के साथ संघर्षविराम हुआ। इससे पहले अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद पहली बार गुरुवार को खामनेई का संदेश देश के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित हुआ। इस्राइल के साथ जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी हस्तक्षेप को लेकर खामनेई ने कहा था, अमेरिका ने युद्ध में केवल इसलिए हस्तक्षेप किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो इस्राइल में यहूदी शासन पूरी तरह से नष्ट हो

जाएगा। खामनेई ने कहा कि अमेरिका को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा था कि इस्लामी गणराज्य विजयी रहा। बदले में ईरान ने अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। उन्होंने कथित तौर पर सोमवार को कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे- अल उदीद पर ईरानी मिसाइल हमले की तरफ संकेत दिया। खामनेई ने चेतावनी दी और कहा कि ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। टकराव शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे खामनेई 86 वर्षीय खामनेई बीते 13 जून को इस्राइल के साथ टकराव शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे। इस्राइली सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों, प्रमुख सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को निशाना बनाया था। इसके बाद खामनेई गुप्त स्थान पर चले गए थे। सीजफायर होने के दो दिन बाद गुरुवार को देश की जनता को संबोधित करने सामने आए खामनेई भूरे रंग के साधारण परदों के सामने बैठकर संदेश देते दिखाई दिए। उन्होंने 19 जून को भी ऐसा ही किया था। बीते 22 जून को अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमले के लिए बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल किया था। तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले ही दिन कहा था कि ईरान ने कतर में उनके सैन्य अड्डे पर पलटवार करते हुए अपनी भड़ास निकाल ली है। अमेरिका ने ईरान के 14 में 13 मिसाइल नाकाम कर दिए। 12 दिनों तक चले मिसाइलों के ताबड़तोड़ हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते 24 जून को कहा कि इस्राइल और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर सहमति बन गई है।

ट्रंप की बेटी से लेकर बिल गेट्स तक, बेजोस की शादी में सितारों ने लगाए चार चांद; खर्च पर उठे सवाल

वेनिस, एजेंसी। दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने पत्रकार लॉरेन सांचेज से शादी करने के लिए इटली के खूबसूरत शहर वेनिस को चुना है। इस शादी को सदी की सबसे बड़ी शादी कहा जा रहा है। वेनिस में तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य समारोह की शुरुआत गुरुवार को हुई, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शादी में शामिल होने के लिए दुनियाभर से करीब 200 से 250 हाई-प्रोफाइल मेहमान पहुंचे हैं। इनमें बिल गेट्स, ओपरा विन्फ्रे, ऑरलैंडो ब्लूम, जॉर्डन की क्वीन, क्रिस जेनर, किम और क्लोई कार्डेशियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका और दामाद जेरेड कुशनर पहले ही शहर में पहुंच गए हैं और समय का आनंद लेते हुए वो लोग खरीदारी कर रहे हैं। दरअसल , इस शादी का जश्न एक दिन नहीं बल्कि 3 दिन तक चलेगा।

शादी पर विरोध भी जारी : इस आलीशान समारोह को लेकर स्थानीय लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी भी देखी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे वेनिस को अमीरों के लिए बेचने की मिसाल बताया है। गुरुवार को एक प्रदर्शनकारी ने सेंट मार्क स्क्वायर पर चढ़कर दुनिया को 1त्न अमीर लोग बर्बाद कर रहे हैं लिखी हुई बैनर लहराया। गुरुवार शाम को वेनिस के ऐतिहासिक मदोन्ना डेलऑर्टो चर्च में पहला कार्यक्रम आयोजित

हुआ। यह चर्च अपनी 16वीं सदी की प्रसिद्ध पेंटिंग्स के लिए जाना जाता है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चलते शाम 4:30 बजे से आधी रात तक इलाके में लोगों और नावों की आवाजाही पर रोक लगा दी। शानदार होटल में ठहरे बेजोस और सांचेज बेजोस और सांचेज हेलीकॉप्टर से बुधवार को वेनिस पहुंचे और ग्रैंड कैनाल के किनारे स्थित आलीशान अमान होटल में रुके। यहां एक कमरे का किराया करीब 4,000 यूरो यानी लगभग 4.68 लाख रुपये प्रति रात है। शुक्रवार को सेंट मार्क स्क्वायर के सामने स्थित सैन जॉर्जियो द्वीप पर शादी का मुख्य कार्यक्रम होगा। हालांकि, इसे केवल प्रतीकात्मक शादी बताया जा रहा है। जहां कुछ लोग इस आयोजन को वेनिस की गरिमा के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कई स्थानीय लोग इसे शहर की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद मानते हैं। होटल मालिकों और टूर गाइड्स का कहना है कि अमीर मेहमानों के खर्च से शहर को फायदा होता है।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई को मारना चाहता था इजराइल

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को खत्म करना चाहता था। काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते। काट्ज ने कहा, इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था। काट्ज से जब पूछा गया कि क्या इजराइल ने अमेरिका से इसकी इजाजत मांगी थी, उन्होंने जवाब दिया, हमें इन चीजों के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने दोहराया है कि 22 जून को उसके हमले से ईरान के न्यूक्लियर ठिकानें पूरी तरह से तबाह हो गए। हेगसेथ ने जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ डिफेंस डिपार्टमेंट के हेडक्वार्टर पेंटागन में ईरान हमले पर मीडिया को संबोधित किया। हेगसेथ ने कहा, ईरान पर अमेरिका का हमला ऐतिहासिक रूप से सफल हमला था। हेगसेथ ने उस खुफिया रिपोर्ट की जानकारी देने के लिए पत्रकारों को फटकार लगाई, जिसमें कहा गया था कि ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम को हमलों से मामूली नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना बोली- ईरान के खिलाफ सभी टारगेट हासिल किए इजराइली सेना ने कहा है कि उसने ईरान के साथ 12 दिनों तक चले संघर्ष में सभी टारगेट हासिल किए हैं। सेना ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया था। सेना ने इस ऑपरेशन

को साहसी, सटीक और सफल बताया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, 12 दिनों के भीतर हमने लक्ष्य पूरे किए और ईरान के अंदर गहराई तक हमला किया। इससे ईरान का सैन्य परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और इजराइल के खिलाफ साजिश रचने वाले प्रमुख लोगों को खत्म कर दिया गया। इजराइल मंत्री बोले- खतरा लगा तो फिर ईरान पर हमला करेंगे इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल को ईरान से कोई खतरा महसूस हुआ, तो वह उस पर एक बार फिर हमला करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार हमला गाजा या लेबनान से सौ गुना ज्यादा बड़ा होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान पीएम से बात की अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी है। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए कूटनीतिक तरीकों पर चर्चा हुई। इससे पहले पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने बैठक के दौरान कहा था कि ईरान को लेकर पाकिस्तान की समझ बाकी देशों से बेहतर है। ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई ईरान की तीन परमाणु साइटों पर अमेरिकी हमलों को लेकर गुरुवार को सीनेट के सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई। यह ब्रीफिंग बंद कमरे में हुई। यह गोपनीय ब्रीफिंग सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने दी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

100 करोड़ के SDT-हवाला घोटाले में ED की चौथे दिन भी कार्रवाई जारी

1 और 10 रुपये की नोटों की तस्वीरों वाली अंगडिया स्लिप को डिकोड करने की कोशिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 100 करोड़ रुपये से अधिक के हवाला और यूएसडीटी (USDT) क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की ओर से चौथे दिन भी छापेमारी जारी रही। इस घोटाले में न सिर्फ अवैध क्रिप्टो लेन-देन, बल्कि अंगडिया की स्लिप्स और हवाला में टोकन के तौर पर उपयोग होने वाले 1 और 10 रुपये की नोटों की तस्वीरें जांच एजेंसियों के लिए रहस्यमय संकेत बनकर सामने आई हैं, जिन्हें डिकोड करने के प्रयास श्वष्ठ द्वारा किए जा रहे हैं। यह घोटाला पाकिस्तान और बांग्लादेश तक जुड़ा होने की जानकारी भी सामने आई है।

श्वष्ठ द्वारा सूरत, अहमदाबाद और मुंबई में लगातार छापेमारी की जा रही है। आरोपियों के मोबाइल फोन से मिले डिजिटल सबूत—खासतौर पर व्हाट्सएप चैट्स और क्रिप्टो ऐप्स—पूरे षड्यंत्र को उजागर कर रहे हैं।

आरोपी माज़ अब्दुर रहीम नाडा के मोबाइल फोन से "Office Private Group" नामक व्हाट्सएप ग्रुप मिला है, जिसमें "Kasif Dr" और "Maaz Nada" जैसे नंबर जुड़े थे। इस ग्रुप में रोजाना का हिसाब-किताब होता था। एक मोबाइल नंबर, जो "Mahesh Bhai" नाम से सेव था, उससे USDT लेन-देन, अंगडिया स्लिप और 1 व 10 रुपये की नोटों की तस्वीरें भेजी गई थीं। ये तस्वीरें हवाला लेनदेन के टोकन के तौर पर इस्तेमाल होती थीं और छोटी रकम की अवैध लेन-देन छिपाने का संकेत देती हैं।

मुख्य आरोपी मकबूल डॉक्टर समेत चार आरोपियों के घर और कार्यालयों पर गहन जांच की गई है। अब तक श्वष्ठ को 27 बैंक अकाउंट्स और 500 से अधिक सिम कार्ड मिले हैं। इनमें दो करंट अकाउंट्स के लेन-देन की भी गहराई से जांच की जा रही है, जिनसे विदेश में पैसे भेजे गए थे।

मकबूल डॉक्टर के आईफोन से स्ष्ठज्ञ लेन-देन के स्क्रीनशॉट्स, बैंक ट्रांजैक्शन, वॉलेट एड्रेस और पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और अफगानिस्तान के नागरिकों के UAE रेसिडेंट कार्ड्स बरामद हुए हैं। इसके व्हाट्सएप में कई मोबाइल नंबरों के साथ USDT लेन-देन की बातचीत मिली है। यहां तक कि अपने ही व्हाट्सएप नंबर से कई चीनी बैंक खातों में फंड ट्रांसफर किए गए मैसेज भी मिले हैं। उसके फोन में BINANCE और BITPIE जैसी क्रिप्टो ऐप्स भी मिली हैं। मकबूल डॉक्टर के बेटे कासिफ के मोबाइल से भी USDT लेन-देन और बैंक ट्रांजैक्शन के स्क्रीनशॉट्स, BINANCE, BOTIM और BITPIE ऐप्स मिले हैं, जिनकी श्वष्ठ द्वारा जांच की जा रही है।

मकबूल डॉक्टर अपनी ट्रैवल बुकिंग कंपनी की आड़ में, अपने बेटों कासिफ और बस्साम तथा 20,000 रुपये मासिक वेतन पर रखे गए माज़ अब्दुर रहीम नाडा और मुर्तुजा फारूक शेख के माध्यम से लोगों को लालच देकर फर्जी बैंक अकाउंट खुलवाता था। इन खातों में साइबर फ्रॉड से कमाए गए पैसे जमा होते थे और खाताधारकों को 10-12 हजार रुपये का कमीशन दिया जाता था। इसके बाद इन पैसों को SDT में बदलकर दुबई जैसे देशों में ट्रांसफर किया जाता था। विदेशी लेनदेन के कारण श्वष्ठ ने इस पर कार्रवाई की।

आरोपियों के जेल में होने के बावजूद श्वष्ठ द्वारा जांच जारी है और सोमवार तक यह कार्रवाई चलने की संभावना है। इस मामले में पाकिस्तान और बांग्लादेश कनेक्शन उजागर होने के कारण जांच का दायरा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल सकता है। इस पूरे घोटाले में व्हाट्सएप चैट्स और स्ष्ठज्ञ लेनदेन किस हद तक निर्णायक भूमिका निभाते हैं, यह श्वष्ठ की जांच के अंत में स्पष्ट होगा।

अवैध कब्जों पर चला बुलडोज़र, 100 करोड़ की सरकारी ज़मीन कराई खाली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

6 दशकों से किए गए सरकारी ज़मीन पर श्री अंबिका ऑटोमोबाइल्स और राणा ट्रैवलर्स द्वारा अवैध रूप से कब्जा

सूरत जिला पंचायत द्वारा रेलवे स्टेशन के पास स्थित 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सरकारी ज़मीन से अवैध अतिक्रमण हटाया गया है। सूरत रेलवे स्टेशन के पास दिल्ली गेट, रिंगरोड के वार्ड नंबर 7, सिटी सर्वे नंबर 6 में लगभग 8037 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की कीमती सरकारी ज़मीन पर श्री अंबिका ऑटोमोबाइल्स और राणा ट्रैवलर्स द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया था। कई बार नोटिस देने के बावजूद जब जमीन खाली नहीं की गई, तब जिला पंचायत ने डिमोलिशन की कार्रवाई करके अतिक्रमण हटा दिया।

यह जमीन पहले सूरत जिला लोकल बोर्ड की थी, लेकिन 1961 में बोर्ड के विघटन के बाद यह संपत्ति जिला पंचायत के अधीन आ गई।

सन् 1960 के आसपास उक्त संस्थाओं को यह ज़मीन केवल 7 वर्षों के लिए लीज पर दी गई थी। लीज की अवधि समाप्त होने पर सूरत जिला पंचायत की सक्षम प्राधिकरण ने समय-समय पर नोटिस भेजकर जमीन खाली करने की मांग की थी। लेकिन वर्तमान काबिज लोगों ने पहले के लीजधारकों से मिलीभगत कर जिला पंचायत की अनुमति के बिना पिछले 50 वर्षों से अवैध कब्जा कर रखा था।

जब जिला पंचायत ने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की, तो कब्जाधारी कोर्ट गए, लेकिन जिला पंचायत की ओर से प्रभावी पक्ष रखने पर माननीय न्यायालय ने जिला पंचायत के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बावजूद कब्जाधारियों ने स्वयं जमीन खाली नहीं की, जिसके चलते गुजरात सार्वजनिक स्थल (अवैध कब्जाधारियों को हटाने) अधिनियम 1972 के तहत 12 मई 2025 को एक माह के भीतर अतिक्रमण हटाने का अंतिम आदेश जारी किया गया।

दिनांक 27/06/2025 को फायर विभाग, पुलिस, बिजली विभाग और अन्य संबंधित विभागों की उपस्थिति में आधी रात को जिला पंचायत अध्यक्ष और जिला विकास अधिकारी की निगरानी में डिमोलिशन किया गया। इस कार्रवाई में अंबिका ऑटोमोबाइल्स द्वारा संचालित पेट्रोल पंप और राणा ट्रैवलर्स का कारखाना ढहा दिया गया। गौरतलब है कि वर्तमान जन्तर रेट के अनुसार इस ज़मीन की अनुमानित कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

सूरत में वर्षों पुराने मकान का स्लैब अचानक गिरा,परिवार के 4 लोग घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सलाबतपुरा इलाके में स्थित एक वर्षों पुराने मकान का स्लैब गिरने से चार लोग घायल हो गए। जरीवाला परिवार मकान की दूसरी मंजिल पर रहता था, जहां यह दुर्घटना घटी। अचानक दूसरी मंजिल का स्लैब टूटकर सीधे पहली मंजिल पर गिरा, जिससे नीचे मौजूद लोग घायल हो गए।

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला, और उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। सौभाग्य से इस दुर्घटना में कोई गंभीर चोट या जनहानि नहीं हुई है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

इस घटना ने एक बार फिर शहर में मौजूद पुराने और जर्जर भवनों की सुरक्षा और रखरखाव की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एहतियात के तौर पर प्रशासन द्वारा इन भवनों का संरक्षण और ऑडिट अनिवार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है।

स्कूल "प्रवेशोत्सव या ढोंगोत्सव ?"

सूरत में AAP का सरकारी आयोजनों पर तीखा हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य सरकार ने "शाला प्रवेशोत्सव" के नाम पर शैक्षिक सफलता का उत्सव मनाया है, लेकिन आम आदमी पार्टी ने इसके विरोध में आंकड़ों के आधार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सूरत महानगरपालिका की शिक्षा समिति के सदस्य और AAP नेता राकेश हिरपरा ने आज सूरत में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति को सामने रखते हुए प्रवेशोत्सव को "ढोंग" करार दिया।

AAP का दावा है कि गुजरात में 6-7 वर्ष की उम्र के कुल 1 करोड़ 39 लाख बच्चों में से लगभग 33 लाख (यानी 24%) बच्चे अभी भी स्कूल में दाखिल नहीं हुए हैं। वर्ष 2022-23 की तुलना में 2023-24 में सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या 1.3 लाख कम हुई, जबकि निजी स्कूलों में 1.27 लाख से अधिक छात्रों की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, 2015-16 के बाद से 542 सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं, वहीं निजी स्कूलों की संख्या 1,745 तक बढ़ी है।

AAP का आरोप है कि सूरत शहर में 400 सरकारी स्कूलों के लिए केवल 1,500 शिक्षक उपलब्ध हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि शिक्षक-छात्र अनुपात गंभीर रूप से असंतुलित है। गुजरात की 6,332 स्कूलों में खेल के मैदान नहीं हैं, जबकि 2,462 स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रही हैं। पिछले 15 वर्षों से शारीरिक शिक्षा, संगीत और चित्रकला जैसे विषयों के शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

AAP नेताओं रामभाई धडूक, पायल साकरिया और राकेश हिरपरा ने कहा कि सरकार प्रवेशोत्सव मनाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि बच्चे स्कूलों में नहीं जा रहे, शिक्षकों की भारी कमी है और मानक के अनुसार मूलभूत सुविधाएं भी नहीं हैं। उन्होंने कहा, "यह कोई उत्सव नहीं बल्कि दिखावा लगता है, जबकि जमीनी हकीकत में शिक्षा एक गंभीर संकट का सामना कर रही है।"

सूरत में आने वाले दिनों में डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए स्थायी अध्यक्ष द्वारा नोट दर्ज की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हर वर्ष मानसून के दौरान खाड़ी की बाढ़ आती है। यहां तक कि कई बार जिले में भारी बारिश हो और सूरत में बारिश न भी हो, तब भी सूरत को खाड़ी बाढ़ का सामना करना पड़ा है। अब सूरत को खाड़ी की बाढ़ से बचाने के लिए शासकों द्वारा मिटी खाड़ी को डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया है, और इसके लिए आगामी दिनों में डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार करने हेतु स्थायी अध्यक्ष द्वारा नोट डाली गई है।

खाड़ी की बाढ़ से हर साल सूरत में लाखों लोग प्रभावित होते हैं और करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। इसी कारण मिटी खाड़ी को डायवर्ट करने को लेकर गंभीरता से विचार किया गया है। स्थायी अध्यक्ष राजन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरत शहर से होकर गुजरने वाली मिटी खाड़ी की लंबाई अधिक है, और इसका लेवल बढ़ने से हर साल खाड़ी बाढ़ की समस्या उत्पन्न होती है।

सूरत में हर मानसून में आती है खाड़ी की बाढ़, अब समाधान के लिए मिटी खाड़ी को डायवर्ट करने की योजना; स्थायी अध्यक्ष ने DPR तैयार करने के लिए की नोटिंग

राजन पटेल ने बताया कि मिटी खाड़ी को शहर की सीमा से बाहर तापी नदी या अन्य जल स्रोतों की ओर डायवर्ट करने के लिए DPR तैयार की जाएगी, और इसी उद्देश्य से स्थायी समिति अध्यक्ष की ओर से नोटिंग की गई है। इसके आधार पर आने वाले दिनों में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वर्तमान में यह विचार किया जा रहा है कि जहां से खाड़ी बहती है, वहां से इसे आउटर रिंग रोड की दिशा में डायवर्ट किया जाए। इस निर्णय के तहत राजन पटेल ने जरूरी कदम तत्काल उठाने के निर्देश भी दिए हैं।

हाल ही में शहर में आई खाड़ी बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, इस योजना को दीर्घकालिक समाधान के रूप में देखा जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत मिटी खाड़ी के डायवर्जन के साथ-साथ अन्य खाड़ियों से जुड़ी समस्याओं का भी अध्ययन किया जाएगा।

जामा मस्जिद पर अवैध रूप से फर्जीवाड़ा दस्तावेज़ से अनाधिकृत कब्जा करने वालों को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सिलवासा-वापी मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से चाबियाँ लेकर जामा मस्जिद पर जबरन कब्ज़ा कर लिया और एक अनधिकृत समिति का गठन किया और आधिकारिक दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की और जामा मस्जिद के संसाधनों का दुरुपयोग किया। लगभग 12-15 लाख रुपये अभी भी बेहिसाब हैं और जब विवरण मांगा गया तो उन्होंने वित्तीय लेनदेन का खुलासा करने से इनकार कर दिया। इसके अलावा, वे मस्जिद के लेटर हेड और स्टाम्प का अवैध रूप से उपयोग कर रहे हैं। नतीजतन, भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 334 (2), 353 (1) के तहत सिलवासा पुलिस स्टेशन में 17/06/2025 को आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच दल ने मामले में शामिल आरोपियों का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गहन प्रयासों के बाद 27 जून 2025 को सिलवासा पुलिस स्टेशन में निम्नलिखित व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया:

1. आरिफ फकीर शेख निवासी। झंडा चौक, सिलवासा
2. सब्बीर बाबू शेख निवासी। बविसा फलिया
3.Shahil Hanif Bhokia R/o. Bavisa Faliya
4. मोहम्मद हुसैन माजिदभाई मंशूरी निवासी। सिल्वासा
5. अशरफ अब्राहम टेली निवासी। डोकमार्डी
6. हनीफ इलियास सैयद निवासी। सिल्वासा

विस्तृत पूछताछ जारी है.

डीएनएच पुलिस सभी निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा आपराधिक गतिविधियों को रोकने और कम करने के लिए अपने सतर्क प्रयास जारी रखे हुए है।

24 घंटे में दो लोगों ने किया अंगदान, पांच लोगों के शरीर में अमर रहेंगे किडनी और लिवर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल में बीते 24 घंटे में दो सफल अंगदान हुए हैं। बमरोली के शर्मा और नर्मदा के वसावा परिवार ने अपने ब्रेनडेड परिजनों का अंगदान करके मानवता की मिसाल पेश की है। मूल रूप से बिहार के निवासी और वर्तमान में सूरत के बमरोली क्षेत्र में रहने वाले 36 वर्षीय ब्रेनडेड मृत्यंजय शर्मा की दोनों किडनियां और लिवर, तथा मूल रूप से नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा तालुका के भुतबेडा गांव निवासी और फिलहाल सूरत के सचिन क्षेत्र के वांझ गांव में रहने वाले 23 वर्षीय संजयभाई मोयलाभाई वसावा की दोनों किडनियों का अंगदान हुआ। इस प्रकार कुल पांच ज़रूरतमंद मरीजों को नया जीवनदान मिलेगा।

मृत्यंजय शर्मा ने सच में मृत्यु को मात दी है। अंगदान द्वारा वे दूसरों के शरीर में जीवित रहेंगे। आदिवासी समाज के संजय वसावा के परिवार ने भी अंगदान के इस पुण्य कार्य में सहमति देकर मानवता का कर्तव्य निभाया। जानकारी के अनुसार, मृत्यंजय शर्मा मूलत: बिहार के हस्पुरा तालुका के डुमरा गांव के निवासी थे और वर्तमान में सूरत के बमरोली की तुलसीदास सोसाइटी में रहते थे। वे पांडेसरा की मारुति फैक्ट्री में काम करते थे। 24 तारीख को दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें नजदीकी निर्मल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर देख उन्हें 108 एम्बुलेंस के जरिए सुबह 11:05 बजे सूरत नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इमरजेंसी से स्ठ्ठष्ट.. में शिफ्ट कर इलाज शुरू किया गया।

श्रमिक संजयभाई टेम्पो में माल उतारने का काम करते थे। 22 तारीख को दोपहर 2 बजे वे एक दोस्त के साथ बाइक से सचिन जा रहे थे, तभी दुर्घटना में सिर में गंभीर चोट लगी। उन्हें भी 108 इमरजेंसी से नई सिविल अस्पताल के स्ठ्ठष्ट.. में भर्ती किया गया। RMO डॉ. केतन नायक, डॉ. निलेश काछडिया, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जय पटेल और न्यूरोसर्जन डॉ. केयूर प्रजापति की टीम ने मृत्यंजय को 27 तारीख को दोपहर 12:41 बजे और संजय को 28 तारीख को दोपहर 1:15 बजे ब्रेनडेड घोषित किया।